दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 222
मुरादाबाद
(Monday)
04 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावः PM ने सांसदों को दिया मोदी मंत्र :कहा- जीतना है... ममता सरकार को काउंटर करें

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए आक्रामक तैयारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि तृणमूल सरकार को काउंटर करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए जनता के बीच जाना होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों को साफ संदेश देते हुए कहा है कि वे तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखें और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में जीत सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री ने सांसदों को राज्य की स्थिति पर आक्रामक रुख अपनाने और

लोकतंत्र को बचाने के नाम पर जनता के बीच और मजबूती से उतरने को कहा।नई दिल्ली में बुधवार को पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। बैठक में मालदा उत्तर से भाजपा सांसद खगन मुर्मू भी मौजूद रहे, जिन पर अक्टूबर में भीड़ ने हमला किया था। प्रधानमंत्री ने उनकी कुशलक्षेम पूछी और बाकी सांसदों से कहा कि उन्हें राज्य की तृणमूल सरकार का मजबूती से मुकाबला करना होगा ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाया जा सके। भाजपा नेताओं के अनुसार, मोदी ने साफ कहा कि चुनाव जीतना है और जीतेंगे।पीएम ने लड़ाई जारी रखने को कहा- बैठक के बाद पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बताया कि प्रधानमंत्री ने पार्टी नेताओं को कहा कि राज्य सरकार की नाकामियों को उजागर किया जाए और जनता के बीच लगातार पहुंच बनाकर रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पार्टी को पूरी ताकत झोंकने के निर्देश दिए हैं ताकि अगले साल टीएमसी सरकार को सत्ता से बाहर किया जा सके। मजूमदार ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र बचाने की इस लड़ाई को और तेज करेगी। काम और समर्पण की सराहना- दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिस्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं के समर्पण और जनता के बीच उनकी सक्रियता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी ने कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा के साथ जनसंपर्क अभियान चलाने और प्रत्येक नागरिक तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया है। बिस्ता के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता मुश्किल समय में लोगों के साथ खड़े रहे हैं और यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

बंगाल में चुनावी रणनीति तेज- भाजपा पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में पूरी तरह जुट चुकी है। बिहार में भाजपा-जदयू गठबंधन की बड़ी जीत के बाद पार्टी का उत्साह बढ़ा है और केंद्र नेतृत्व चाहता है कि उसका असर बंगाल में भी दिखे। बैठक को इसी रणनीतिक तैयारी का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें सांसदों को चुनावी माहौल और टीएमसी सरकार के खिलाफ मजबूत अभियान चलाने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

नेहरू सरकारी पैसों से बनवाना चाहते थे बाबरी मस्जिदः राजनाथ के दावे पर विपक्ष बोला- कहां लिखा, दस्तावेज दिखाओ

देश के तमाम विपक्षी सांसदों की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान की कड़ी आलोचना की गई है। दरअसल, राजनाथ सिंह ने कहा था कि पूर्व पीएम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू बाबरी मस्जिद को सरकारी पैसों से बनवाना चाहते थे। इस पर विपक्ष ने उनसे सबूत मांगा है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान को लेकर आज कई विपक्षी पार्टी के नेताओं ने कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू बाबरी मस्जिद को सरकारी पैसों से बनवाना चाहते थे। विपक्ष का आरोप है कि ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। राजनाथ सिंह ने मंगलवार को गुजरात के वडोदरा के पास एकता मार्च के दौरान कहा था, पंडित जवाहरलाल नेहरू बाबरी मस्जिद को सरकारी पैसे से बनवाना चाहते थे, लेकिन अगर किसी ने इसका विरोध किया तो वो सरदार वल्लभभाई पटेल थे। कांग्रेस नेताओं ने साधा निशाना- इस बयान पर विपक्ष की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, ये सब असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए है। रोज नए मुद्दे खड़े किए जाते हैं ताकि जनता की असली समस्याओं पर बात ही न हो। वहीं मनीष तिवारी ने कहा, रक्षा मंत्री को इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने के बजाय देश की रणनीतिक चुनौतियों पर ध्यान देना चाहिए। इमरान मसूद ने कहा, अगर ऐसा कोई तथ्य है तो उसे दस्तावेज के साथ रखें। सिर्फ बोल देने से कोई मान नहीं लेगा। उन्होंने कहा कि एक ऐतिहासिक दस्तावेज तो ऐसा भी है जिसमें सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई की थी, और सब कुछ नेहरू के नेतृत्व में हुआ था। तारिक अनवर ने कहा. भाजपा की सरकार का काम ही पुरानी बातें और विवाद उठाना रह गया है। नेहरू अब नहीं हैं, इसलिए उन पर आरोप लगाना आसान है।अन्य विपक्षी पार्टियों की प्रतिक्रिया- वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि %रक्षा मंत्री इतने वरिष्ठ नेता हैं, उन्हें देश की सेना और सैनिकों से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा, या तो राजनाथ सिंह सबूत पेश करें या माफी मांगकर इस्तीफा दें। इस तरह के बयान शोभा नहीं देते।% शरद पवार गुट की सांसद फौजिया खान ने इस पर कहा कि, मस्जिद के लिए पैसा ईमानदारी से जुटना चाहिए, सरकारी पैसे से मस्जिद बनाने की बात ही गलत है।

संक्षिप्त समाचार

सहायक अध्यापक परीक्षा 2025: मुख्य सचिव ने की तैयारियों की समीक्षा, विशेष निगरानी के दिए निर्देश

सहायक अध्यापक के 7466 (15 विषय) पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा 06, 07 व 21 दिसम्बर, 2025 एवं 17, 18, 24 व 25 जनवरी 2026 को दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम सत्र सुबह 9:00 से 11:00 तक तथा द्वितीय सत्र दोपहर 3:00 से 5:00 तक है।मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग से सभी मण्डलायुक्तों एवं जिला धिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक) (पुरूष/महिला शाखा) (प्रा0) परीक्षा-2025 की तैयारियों की समीक्षा की।मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि यह परीक्षा पूरी तरह से निष्पक्ष, नकलविहीन तथा पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराई जाए। परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी स्वयं व्यक्तिगत निगरानी करते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर आयोग के मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। नकल पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए सभी परीक्षा केन्द्रों पर प्रवेश के समय बायोमेट्रिक सत्यापन एवं फ्रिस्किंग की प्रक्रिया अत्यंत कड़ाई से लागू की जाए तथा समयबद्धता का पूर्ण रूप से पालन हो।ड्यूटी एवं प्रशिक्षण समय से पूर्ण कर लिया जाए। यह भी निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे पूर्णतः क्रियाशील रहें तथा पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें।

विश्व दिव्यांग दिवस 2025: सीएम योगी बोले- परिवार और समाज का संबल न मिलने से उपेक्षित हो जाते हैं दिव्यांग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी ऋषि परंपरा ने किसी की शारीरिक बनावट को किसी की सामर्थ्य को मापने का मानक नहीं बनाया है क्योंकि ऐसे लोगों को परिवार और समाज से संबल देकर समाज की मुख्यधारा में लाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी ऋषि परंपरा में किसी की दिव्यांगता को कमजोरी नहीं माना गया है। आज दिव्यांगजनों के लिए केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वो दिव्यांगजनों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। अक्सर होता है कि दिव्यांगता का शिकार होने पर एक बच्चा परिवार में उपेक्षित कर दिया जाता है। ऐसा बच्चा परिवार और समाज का संबल न मिलने के कारण जिंदगी भर उपेक्षित और कुंठित नजर आता है। जबकि अगर हम उन्हें संबल दे दें तो अच्छे परिणाम आ सकते हैं। सीएम योगी बुधवार को लखनऊ में विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यूपी सरकार का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रदेश में खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव ने ओलंपिक में मेडल जीते हैं। चित्रकूट के मंडलायुक्त जो कि दृष्टिबाधित हैं। एक आईएएस के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी ऋषि परंपरा ने किसी की शारीरिक बनावट को किसी की सामर्थ्य को मापने का मानक नहीं बनाया है। हर व्यक्ति ईश्वरीय कृति है। अगर हम उन्हें संबल दें तो दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर समाज को लाभांवित कर सकते हैं।

सरकार ने संचार साथी एप के प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता हटाई, कहा-इसकी स्वीकार्यता बढ़ रही

केंद्र सरकार ने संचार साथी एप पर बढ़ते विवादों के बीच एप के प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता को हटाने का फैसला किया है। दूरसंचार मंत्रालय ने इसकी जानकारी एक्स पोस्ट के जरिए दी है।संचार साथी एप कर केंद्र सरकार का बड़ा बयान सामने आया है। सरकार ने फोन में इस एप के प्री-इंस्टॉलेशन को जरूरी नहीं बताया है। दूरसंचार मंत्रालय ने एक्स (ङ्ग) पर एक पोस्ट जारी कर इस एप की प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता को हटाने की जानकारी दी है।मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा, सभी नागरिकों को साइबर सुरक्षा का लाभ देने के उद्देश्य से सरकार ने सभी स्मार्टफोन्स में संचार साथी एप को प्री-इंस्टॉल करना अनिवार्य किया था। यह एप पूरी तरह सुरक्षित है और इसका मकसद सिर्फ नागरिकों को साइबर दुनिया के अपराधियों से बचाना है... संचार साथी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, सरकार ने मोबाइल निर्माताओं के लिए अनिवार्य प्री-इंस्टॉलेशन को हटाने का फैसला लिया है।एपल ने जताई थी असहमती- बता दें कि केंद्र सरकार के इस कदम को एपल के फैसले से भी जोड़कर देखा जा रहा है। 28 नवंबर को सरकार से आदेश मिलने के बाद स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एपल (Apple) ने इसका पालन करने से इंकार कर दिया था। कंपनी ने कहा था कि यह कदम iPhone यूजर्स के निजी डेटा को खतरे में डाल सकता है। एपल ने रॉयटर्स के हवाले से कहा था कि कंपनी अपनी चिंताएं सरकार के सामने रखेगी। सरकार ने कहा- जन भागीदारी बढ़ाना था उद्देश्य- मंत्रायल के मुताबिक यह एप जन भागीदारी को बढ़ावा देता है, क्योंकि नागरिक किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की रिपोर्ट कर सकते हैं और खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस एप का कोई अन्य उद्देश्य नहीं है और यदि उपयोगकर्ता चाहें तो वे इसे कभी भी अनइंस्टॉल कर सकते हैं। एप पर बढ़ रहा था राजनीतिक घमासान- बता दें कि स्मार्टफोन में एप के प्री-इंस्टॉलेशन को 90 दिनों के भीतर अनिवार्य बनाने के आदेश के बाद विपक्ष ने संसद में कड़ा विरोध दर्ज कराया था। विपक्ष के कई नेताओं ने आरोप लगाया

कोहली ने वनडे विश्व कप के लिए दावा किया मजबूत, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जड़ा लगातार दूसरा शतक

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में शतक लगाया। कोहली का इस सीरीज में यह लगातार दूसरा शतक है। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए दावा मजबूत कर लिया है। कोहली शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरा शतक लगा दिया है।

कोहली ने इससे पहले रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी और अब रायपुर में भी उन्होंने इस फॉर्म में जारी रखते हुए शतक लगा दिया है। कोहली वे 90 गेंदों पर सैकड़ा पूरा किया।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 84वां शतक लगाया कोहली का यह वनडे में 53वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 84वां शतक है। कोहली पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए थे और अब उन्होंने इस रिकॉर्ड को और मजबूती दी है। कोहली वनडे में शतक लगाने के मामले में सभी से काफी आगे निकल गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 100 शतक लगाए हैं। कोहली दूसरे मैच में 93 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाकर आउट हुए।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 84वां शतक लगाया कोहली का यह वनडे में 53वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 84वां शतक है। कोहली पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए थे और अब उन्होंने इस रिकॉर्ड को और मजबूती दी है। कोहली वनडे में शतक लगाने के मामले में सभी से काफी आगे निकल गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 100 शतक लगाए हैं। कोहली दूसरे मैच में 93 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाकर आउट हुए।

संपादकीय Editorial

The Mustache of Zorawar Stadium

Under the rainy season of the winter session, the debate surrounding the protagonist in the tale of the disaster's dark times didn't end, but some MLAs were moved. Had the central government fully provided the relief of fifteen hundred crore rupees, this goodwill would have been a source of pride for the seventy lakh people. Perhaps this goodwill is no longer available in the House. Once, the winter session of the Assembly, seated in Tapovan, had shifted from Shimla to Kangra through the mud of politics, but now, the soil of many grounds is being dug up to justify it. The mustache of struggle is always visible at Zorawar Singh Stadium. When pensioners failed to show up, the police kept warming their old breaths on the soil of the ground. As the government gathered at the Daadi Mela Ground against the drug trade, the issue arose of which ground would be the heir to the struggle. The BJP knows that the Zorawar Stadium's tentacles reach all the way to Tapovan, so yesterday's outrage is proving that the crowd will chant slogans here too. The government explained that if you come to Zorawar, you'll be counted as just four thousand. It's better to face the Dhauladhars at the Police Stadium, and the count will be historic. The BJP's Jairam government, by holding the largest investor meet at the Police Ground, has even measured the steps of the Prime Minister. The soil of Zorawar Stadium has already experienced the trappings of protest rallies. While Dharamshala may not have a central university, there are plenty of grounds here to channel the state's anger. The city itself boasts two dozen grounds so capacious that the entire state's anger can pass through them. Even when the Chief Minister was assessing the SAI ground with a sporting spirit, the BJP, in that scenario, turned the tables on the "Radhe-Radhe" (sacred words) and said, "Tauba-Tauba." However, at this time, the state's narrative and the state's narrative, under the guise of the Tapovan session, reveal the state's financial well-being. Jogindernagar MLA Prakash Rana mentions the state's economic security, and many others have done so as well, but the difference lies in the effort, not the end. While some MLAs have usurped the House's time and the state's attention for their increased salaries, the mention of MLA Prakash Rana creates a unique situation. The MLA will take a mere one rupee salary in the face of the state's economic crisis. Clearly, this example will teach those MLAs who, instead of focusing on the issues of their own constituencies, were tempted to seek a lesson. This very House has seen numerous references to Himachal's economic situation. If over 400 vacant buildings are useless, then this land must be saved. If 435 government bus routes are being shut down, then some bus depots must be seized from the land of their masters. How long will we write about burning wounds on placards, how long will we check our neighbors' pulses to satisfy our hunger? Whether in power or in the opposition, let's step back from our anger and consider how much time our governments have wasted and whether government funds have been invested properly. Our infrastructure has become our grave; now the household stoves are burning the house. After all, how many offices, how many officers, how many schools, how many colleges, how many universities, and how many medical colleges are needed to provide good governance, civic amenities, and social security to a population of 7 million? The government's infrastructure is crumbling in public perception, while the opposition is kneading the soil of Zorawar Stadium. No matter which government is in power, Himachal Pradesh has no magic wand that can make the debt burden disappear. Many illusions and pretenses will have to be dispelled, otherwise your slogans.

Hollow Fronts Against SIR: How Can Errors in Voter Lists Be Corrected Without SIR?

Undoubtedly, the problems faced by BLOs must be addressed, and if necessary, the SIR deadline should be extended. However, it makes no sense for opposition parties to complain about voter list errors and yet prevent SIR from being conducted. If the opposition believes that SIR is not the appropriate solution to explain what the correct approach is that it has become accustomed to government and constitutional one has a cure. The opposition has Parliament and the Supreme Court. theft." Opposition protests against against SIR, the Special Intensive been opened in Parliament and the these fronts were opened when the conduct SIR in Bihar. As soon as opposition parties labeled it vote Congress and the Rashtriya Janata under the guise of arguing that the of their supporters and thus help the

correct voter list errors, then it should is. The current opposition's problem doubting the intentions of both the institutions, a disease for which no launched a front against SIR in The opposition has called SIR "vote SIR continue in 12 states. One front Revision of Voter Lists (SIR), has other in the Supreme Court. Both Election Commission decided to this decision was announced, some theft. They, particularly the Dal, began spreading propaganda purpose of SIR was to cut the votes BJP in the assembly elections. While calling SIR vote theft was an attention-grabbing phrase, it was widely publicized, but no clarification was considered necessary as to whether all Booth Level Officers (BLOs) were supporters of the ruling party and whether they knew who voted for which party. During the SIR in Bihar, while Congress and RJD leaders continued to organize voter rights marches, the Supreme Court continued to hear arguments against the process. As the elections approached, SIR ceased to be an issue for the people of Bihar, as the Supreme Court found no flaws in SIR. Despite this, Parliament continued to reverberate with the noise of vote theft during the monsoon session. When the names of 6.5 million voters were deleted under the SIR process in Bihar, the cries of vote theft were raised again. However, after the final draft of the voter list was released, not even 65 people came forward with any complaint that they were citizens of Bihar, possessed all valid documents, and yet their names were not on the voter list. Even the opposition parties alleging vote theft were unable to identify anyone whose name had been wrongly removed from the voter list. As a result, the issue of vote theft lost its remaining steam. However, opposition parties continue to believe that the ongoing SIR process in 12 states is aimed at vote theft—to cut the votes of their supporters and facilitate the BJP's victory in the upcoming assembly elections. Just as a barrage of petitions was filed in the Supreme Court against the SIR in Bihar, countless petitions have been filed against this process in 12 states. The petitioners include political parties from Tamil Nadu, Bengal, and Kerala, along with so-called pro-democracy individuals and organizations. Kapil Sibal and Abhishek Manu Singhvi have led the charge on their behalf. The petitions filed against the SIR in 12 states echo the sentiment that it is an unnecessary process and that the Election Commission lacks the authority to conduct it. The question remains unanswered: how are the BLOs in opposition-ruled states like Bengal, Tamil Nadu, and Kerala expected to cancel the votes of anti-BJP party supporters during the SIR? It's worth noting that no complaints have been heard that BLOs are asking people, under any pretext, who they voted for last time or who they intend to vote for next time. Since the government has agreed to discuss electoral reforms in Parliament, the fear that this session of Parliament would be as controversial as the previous one, has been allayed. It's natural that SIR will be discussed during the debate on electoral reforms, but at present, there's no sign that this ongoing process in 12 states will be halted. Conducting SIR is the Election Commission's prerogative, and that's why the process was completed in Bihar. One reason for opposition to SIR is that BLOs are under stress and pressure, and some have either quit their jobs or committed suicide as a result. Such reports are not baseless, but that doesn't mean SIR shouldn't be conducted at all. The problems faced by BLOs stem from the fact that they haven't been properly trained or that an effective mechanism hasn't been established to address the issues they face. One of their obstacles is the app's malfunctioning. Undoubtedly, BLOs' problems must be addressed, and if necessary, the SIR deadline should be extended. However, it's pointless for opposition parties to complain about irregularities in the voter list and yet prevent SIR from being conducted. If the opposition believes that SIR is not the right way to correct the irregularities in the voter lists, then it should explain what the right way is. The problem with the current opposition is that it has become addicted to doubting the intentions of the government and constitutional institutions, a disease for which no one has a cure.

Poor Monitoring of Educational Institutions

We cannot ignore the fact that despite the existence of regulatory bodies like the UGC, AICTE, and NCTE, cases of fake universities awarding degrees are frequently reported. The UGC releases a list of such fake universities every year, and some of them are also shut down. Yet, 22 fake universities operate in the country today, 10 of them in Delhi alone. Al Falah University under suspicion: Financial irregularities revealed – University becomes a hub for terrorist modules. Since the blast near the Red Fort in Delhi, Faridabad's Al Falah University has been under suspicion. It is being seen as a hub for terrorists. Dr. Umar Nabi, the main accused in the Delhi bomb blast, and some of his associates worked as doctors at this university. Several other doctors and employees working at this university are on the radar of investigative agencies. Investigative agencies are trying to understand how Al Falah University became a hub for white-collar terror modules. The Enforcement Directorate (ED) has also found financial irregularities amounting to ?415 crore (approximately $1.2 billion) at this educational institution. The ED alleges that Al Falah University misrepresented its accreditation under Section 12(b) of the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) and the UGC, as well as government grants. The investigation revealed that Al Falah School of Engineering and Technology was accredited only from 2013 to 2018, and that the Department of Education's accreditation was "A" grade only from 2011 to 2015. The university administration, without renewing its documents, claimed an "A" grade and collected crores of rupees in fees from students. It has also been revealed that the university generated academic revenue of ?415.10 crore (approximately $1 billion) from the financial year 2018 to 2025. The annual revenue was only ?241 million Furthermore, irregularities have been Al Falah University was established in was recognized by the UGC under member of the Association of Indian postgraduate programs, as well as education institution responsible for future has become a haven for white- the need for a thorough investigation

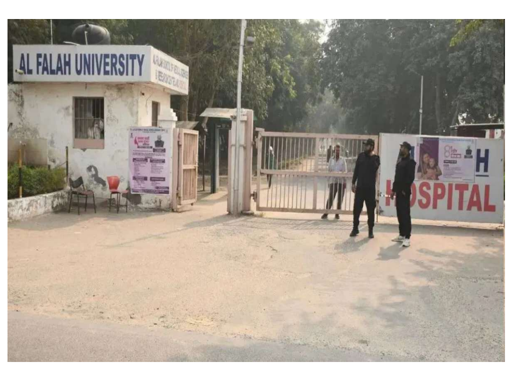

university's revenues increased rapidly after 2018. While its in 2018-19, it increased to ?811 million in 2024-25. discovered regarding the university's hostel and mess fees. 2014 under Act 21 of the Haryana Legislative Assembly. It Section 2(f) of the 1956 Act. The university also became a Universities (AIU). It began offering undergraduate and PhD-level courses. It is a matter of concern that a higher preparing the best human resources for the country's bright collar terrorist modules. The Al Falah case has highlighted of other similar educational institutions. Naturally, questions are being raised about the regulatory bodies responsible for accrediting and monitoring higher education institutions. There should be no hesitation in stating the truth that the emergence of a terrorist module in a recognized university reflects the indifference of regulatory bodies like the UGC, AICTE, and NCTE. The Al Falah case also reveals that these regulatory bodies lack a robust and effective monitoring system. If the monitoring system had been functioning properly, Al Falah University might not have become a terrorist hub, nor would so many irregularities have been found there. According to one statistic, there are 1,191 universities in the country. These include 502 private universities, 494 state universities, 57 central universities, and 138 deemed universities. The number of private universities is rapidly increasing. Clearly, their monitoring needs to be more thorough. This is especially so, as the latest Terror Behavior Intelligence Report from Interpol and the Rand Corporation reveals that terrorism has reached a new turning point. Radicalization is now spreading through mobile phones, laptops, and other devices. The way doctors at Al Falah University were found to be pursuing terrorism clearly demonstrates the potential for highly educated and technically skilled youth to become terrorists. Following the discovery of the white-collar module at Al Falah University, intelligence agencies must remain vigilant about the activities of other educational institutions. During the recent Supreme Court hearings related to the Delhi riots, Additional Solicitor General SV Raju, representing the Delhi Police, cited the explosion near the Red Fort and argued that when intellectuals become terrorists, they become even more dangerous. The exposure of the ecosystem involved in radicalizing highly educated students signals a new threat to the country. This is the first time a UGC-approved educational institution has been found operating a white-collar terrorist module. Agencies suspect that this module intended to use hospitals in Kashmir as hideouts for toxic weapons. We also cannot ignore the fact that despite the existence of regulatory bodies like the UGC, AICTE, and NCTE, cases of fake universities awarding degrees are frequently reported. The UGC releases a list of such fake universities every year. Some of them are even shut down. Yet, 22 fake universities operate in the country today, with 10 of these operating in Delhi alone.

समस्त वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान कार्ड 20 दिसम्बर 2025 से पूर्व बनवाने हेतु टीम का सहयोग प्रदान करना सुनिश्चित करें- जिला पूर्ति अधिकारी

जिला पूर्ति अधिकारी श्री अजय प्रताप सिंह ने बताया कि 25 नवम्बर 2025 से दिसम्बर 2025 में प्रस्तावित आयुष्मान कार्ड अभियान के अन्तर्गत एसईसीसी परिवारों के सापेक्ष एनएफएसए टैग पात्र गृहस्थी लाभार्थी डाटा, 70 वर्ष एवं इससे अधिक आयु से वरिष्ठ नागरिकों, सीनियर सिटीजन, आशाओं, आंगनवाडी तथा जीरो पावर्टी के अन्तर्गत लाभार्थी परिवारों को प्रधानमंत्री /मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ उपलब्ध कराने हेतु प्राथमिकता के आधार पर आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे हैं।जिला पूर्ति अधिकारी ने समस्त क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एवं समस्त पूर्ति निरीक्षकों को निर्देश दिया कि समस्त एमओआईसी, आशाओं, सीएचओ, एएनएम, स्टाफ नर्स, खाद्य एवं रसद विभाग के कार्मिकों, राशन डीलरों, आंगनवाडी कार्यकत्री तथा पंचायत सहायकों, स्वयं सेवकों, सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं इत्यादि की सहायता से दिनांक 25 आयुष्मान अभियान के अन्तर्गत 70 वर्ष एवं 70 का मानक मात्र आधार के हिसाब से उनकी आयु योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष एवं 70 वर्ष से को चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराए जाने समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित करते कार्ड 20 दिसम्बर 2025 से पूर्व बनवाने हेतु टीम सभा स्तर पर उ0प्र0 ग्रामीण खेल लीग के अन्तर्गत मा0 विधायक खेल स्पर्धा कराने के निर्देश प्राप्त प्रीति सिंह ने बताया कि विधान सभा खेल स्पर्धा कबड्डी कुश्ती/जूडो/ बैडमिंटन/ फुटबॉल/भारोत्तोलन विधान सभा ठाकुरद्वारा के इच्छुक विद्यालय के प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 05 एवं 06 खेल मैदान विकास खण्ड ठाकुरद्वारा में सम्पन्न

नवम्बर 2025 से दिसम्बर 2025 के मध्य वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों की अर्हता है तथा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य अधिक के जनपद के समस्त वरिष्ठ नागरिकों हेतु खाद्यान्न वितरण तिथि पर अपने क्षेत्र के हुए समस्त वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान का सहयोग प्रदान करना सुनिश्चित करें। विधान सव-जूनियर, जूनियर तथा सीनियर वर्ग की हुए हैं। उपजिलाधिकारी ठाकुरद्वारा श्रीमती में पुरुष/महिला की एथलेटिक्स/बॉलीवाल/ आदि प्रतियोगिताएं संपन्न करायी जाएंगी तथा खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। इस दिसम्बर 2025 को सनातन धर्म इंटर कालेज कराया जायेगा। प्रतिभागी विधान सभा होना अनिवार्य है तथा खिलाडी युवा साथी पोर्टल पर पंजीकृत करते हुए खेल के विवरण की कापी तथा आधार कार्ड की छायाप्रति/खिलाडी का पासपोर्ट साइज फोटो क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी ठाकुरद्वारा एवं डिलारी को उपलब्ध कराए जाएंगे। खिलाडी अपना पंजीकरण http://yuvasathi.in/sports-registrationलिंक पर कर सकते हैं।विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर पूर्व से चिन्हित कुल 165 दिव्यांगजनों में 60 ट्राईसाईकिल, 15 व्हीलचेयर, 10 मोटराईज्ड ट्राईसाइकिल, 80 एम0आर0 किट कुल 225 उपकरणों का वितरण किया गया। 10 मोटरराईज्ड ट्राइसाईकिल डा0 जयपाल सिंह व्यस्त सदस्य विधान परिषद सशक्तीकरण विभाग के का आयोजन राजकीय डा0 शेफाली सिंह एवं सदस्य द्वारा शुभारम्भ किया गया। इस दिव्यांगजनो से वार्ता की गयी एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न करने को प्रतिबद्ध है। सदस्य दिव्यांगजनों को वितरित किए को बेहतर बनायेगा और उन्हें उन्होंने दिव्यांग के हितार्थ के विधायक निधि से देने की नूरअक्शा, आरिश आलम मौ0 अर्श, शगुफता नूरी, शिव लक्ष्मी, देवेन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र, किया गया। इस कार्यक्रम में कल्याण अधिकारी, जिला उपस्थित रहें।उप श्रमायुक्त श्री

की विधायक निधि के अंश एवं दिव्यांगजन अंशदान से क्रय की गयी। इस वितरण कार्यक्रम पॉलीटेक्निक के ग्राउंड में जिला पंचायत अध्यक्ष विधान परिषद श्री गोपाल अंजान के कर कमलों अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा एवं उनको संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त विधान परिषद श्री गोपाल अंजान ने कहा कि गये ये उपकरण निश्चित रुप से उनके जीवन समाज की मुख्यधारा से जोड़ेगा। साथ ही लिए 10 लाख रुपये की धनराशि अपनी घोषणा भी की। वितरण कार्यक्रम में विक्की, आदि को व्हीलचेयर एवं कु0 गुंजन, विशाल, आदि को एम0आर0 किट एवं शंकर सैनी, जाहिद हुसैन आदि को ट्राईसाईकिलों का वितरण जिला बचत अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आदि दीप्तिमान भट्ट के निर्देशन में श्रम प्रवर्तन अधिकारी एवं एण्टी हयूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की संयुक्त टीम द्वारा मुरादाबाद के बंगला गांव एवं जिगर विहार कालोनी में बाल एवं किशोर श्रमिक चिन्हांकन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 04 प्रतिष्ठानो से 05 बाल श्रमिको का चिन्हांकन किया गया तथा 02 प्रतिष्ठान से 03 किशोर श्रमिक को चिन्हित किया गया। चिन्हित समस्त 05 बाल श्रमिकों को उनके आयु परीक्षण हेतु सम्बन्धित श्रम प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसके पश्चात् उनकी सुपुर्दगी हेतु बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की कार्यवाही की गयी।इन प्रतिष्ठान के नियोजको द्वारा बाल एवं किशोर श्रम(प्रतिशोध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 यथा संशोधित 2016 के अधिनियम का उल्लघंन किये जाने के कारण सम्बन्धित नियोजको के विरूद्ध अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षण टिप्पणी निर्गत कर मौके पर ही हस्तगत करा दी गयी है तथा प्रकरण में निरीक्षणोपरान्त अग्रिम कार्यवाही अपनायी जा रही है। उप श्रमायुक्त द्वारा नियोजको को भविष्य मे बाल एवं किशोर श्रमिकों से कार्य न लिये जाने हेतु सचेत किया गया।

संक्षिप्त समाचार

डांटने पर छात्र हो गया गुस्सा, स्कूल पहुंचते ही शिक्षक को मार दिया चाकू, पुलिस के सामने रोने लगी नानी

मुरादाबाद में डांटने से नाराज होकर छात्र ने शिक्षक को चाकू मार दिया। पुलिस आरोपी छात्र की तलाश कर रही है। शिक्षक संगठन ने भी पुलिस ने जल्द कार्रवाई की मांग की है।मुरादाबाद बुधबाजार स्थित जीजी इंटर कॉलेज के गेट के पास मंगलवार सुबह शिक्षक अरुण कुमार त्यागी की

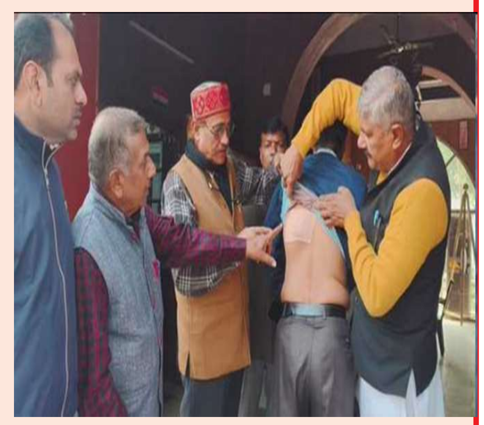

पीठ में दसवीं के छात्र ने चाकू नुमा हथियार से हमला कर दिया जिसमें वह जख्मी हो गए। कॉलेज खुलने के वक्त हुई यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया है। पूछताछ में छात्र ने बताया कि डेढ़ माह पहले शिक्षक ने उसे डांटा था, तब से वह बदला लेने की फिराक में था। मझोला थाना क्षेत्र के मानसरोवर कॉलोनी निवासी अरुण कुमार त्यागी जीजी इंटर कॉलेज में इतिहास और नागरिक शास्त्र के शिक्षक हैं।उन्होंने पुलिस को बताया कि सोमवार की सुबह साढ़े नौ बजे वह रोज की तरह बाइक से कॉलेज जा रहे थे। कॉलेज गेट से एंट्री कर रहे थे, इसी दौरान उनकी पीठ में किसी ने हमला कर दिया। उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो कोई छात्र बुधबाजार की ओर भाग रहा था। उन्होंने उस वक्त ध्यान नहीं दिया। वह भौतिक विज्ञान की लैब में जाकर बैठ गए। उन्होंने महसूस किया की कमर में दर्द हो रहा है। पीठ पर हाथ लगाया खून मिला। उन्होंने इसकी जानकारी अन्य शिक्षकों और प्रधानाचार्य को दी। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए गए तो पता चला कि दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले 15 वर्षीय छात्र ने हमला किया। साथी शिक्षक और प्रधानाचार्य उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंच गए और उनका उपचार कराया। सीओ कोतवाली सुनीता दहिया ने बताया कि तहरीर के आधार पर दसवीं के छात्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। तीन दिन पहले भी शिक्षक ने डांटा था-पुलिस ने छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि करीब डेढ़ माह पहले एक छात्र से उसका विवाद हो गया था। तब शिक्षक ने दोनों छात्रों के सिर आपस में टकरा दिए थे। छात्र की डांट भी लगाई थी। तीन दिन पहले भी शिक्षक ने उन्हें डांट दिया था। इसके बाद से वह बदला लेने की फिराक में जुटा था। कोतवाली गेट पर फूट-फूटकर रोई नानी- हमले का आरोपी छात्र रामपुर के गंगानगर का रहने वाला है। यहां कटघर क्षेत्र के डबल फाटक के पास अपनी नानी और मामा के साथ रहकर पढ़ाई करता है। पुलिस उसकी तलाश में नानी के घर पहुंची तो घटना की जानकारी हो पाई। इसके बाद नानी, मामा और अन्य रिश्तेदार भी कोतवाली पहुंच गए। इस दौरान नानी फूट फूट कर रोने लगी। बोली कि मेरे बच्चे से गलती हो गई। उसे माफ कर दीजिए।

यूपी में एक और पति का कत्ल: जैसा चल रहा है चलने दो, वरना..., पत्नी ने देवर से कराई हत्या; मिस कॉल से खुलासा

यूपी में एक और पति मारा गया है। पत्नी ने प्रेमी देवर के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, आरोपी पत्नी फरार है, उसकी तलाश की जा रही है।मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा के नया गांव बहादुर नगर निवासी स्कूल बस चालक रूपेंद्र सिंह चौहान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस की जांच में सामने आया है कि पत्नी अंशु ने अपने प्रेमी चचेरे देवर बीएससी के छात्र नवनीत से मिलकर वारदात की साजिश रची। सोमवार की रात आरोपी नवनीत वारदात को अंजाम देकर घर में जाकर सो गया। पुलिस ने चालक के पिता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी नवनीत को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी पत्नी की तलाश कर रही है। ठाकुरद्वारा के नया गांव बहादुर नगर निवासी योगेंद्र सिंह ने पुलिस बताया कि उनके बेटे रूपेंद्र सिंह चौहान (35) की शादी करीब सात साल पहले क्षेत्र के लौंगी खुर्द निवासी नरेश सिंह की बेटी अंशु के साथ हुई थी। उसके दो बच्चे हैं। पिता का दावा है कि उसके भाई के बेटे नवनीत के अंशु से संबंध थे। रूपेंद्र सिंह ने विरोध किया तो नवनीत ने उससे कहा कि जैसा चल रहा है वैसा चलने

दो, वरना जान से हाथ धो बैठोगे। इसे लेकर गांव में कई बार पंचायत भी हुई। पंचायत में दोनों को समझाया गया लेकिन नहीं माने। 29 नवंबर को भी विवाद हुआ था। नवनीत और अंशु ने हत्या की साजिश की- आरोप है कि नवनीत ने रूपेंद्र को गोली मारने की धमकी दी थी। पुलिस का कहना है कि नवनीत और अंशु ने हत्या की साजिश की। इस साजिश के तहत ही दो दिन पहले अंशु अपने बच्चों को लेकर मायके लौंगी खुर्द चली गई थी। उसे रूपेंद्र ही छोड़ने गया था। सो रहे रूपेंद्र के सिर में गोली मारी- इसके बाद रूपेंद्र सिंह घर आ गया। उसके पिता योगेंद्र सिंह पत्नी के साथ दूसरे घर में रहते हैं। सोमवार की रात करीब 10-30 बजे आरोपी नवनीत रूपेंद्र सिंह के घर पर पहुंच गया और सो रहे रूपेंद्र के सिर में गोली मार दी। मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे रूपेंद्र अपने घर में मृत पाया गया तो घटना की जानकारी हो पाई। कोतवाली प्रभारी मनोज परमार, सीओ आशीष प्रताप सिंह, एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया और फोरेंसिक टीम भी बुला ली। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी नवनीत को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अंशु चौहान को भी गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। अंशु और नवनीत के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने कुछ घंटे में ही कर दिया हत्याकांड का खुलासा- कोतवाली पुलिस नया गांव बहादुर नगर में हुई रूपेंद्र सिंह की हत्या के खुलासे और आरोपियों तक पहुंच गई। मंगलवार सुबह 8-00 बजे पुलिस सूचना मिली थी। इस पर कोतवाली प्रभारी मनोज परमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए थे। लगातार छह घंटे तक उन्होंने हत्याकांड के खुलासे के लिए प्रयास किए। इसके बाद उन्हें सफलता भी मिल गई। शक के दायरे में आए नवनीत के मोबाइल पर अंशु की मिस कॉल मिलने पर खुलासे में अहम सहायता मिली। रूपेंद्र सिंह की मौत से उनके दो बच्चों के सिर से पिता का साया छिन गया है। रूपेंद्र सिंह की मौत से परिवार में गम का माहौल- ठाकुरद्वारा। नयागांव बहादुर नगर के रूपेंद्र सिंह की मौत के बाद परिवार में गम का माहौल है। रूपेंद्र सिंह की मां की मौत हो गई थी। जिस पर उसके पिता योगेंद्र सिंह ने दूसरी शादी की थी और वह अपनी दूसरी पत्नी के साथ अलग घर में रहते हैं। रूपेंद्र की मौत के बाद उनके पिता सौतेली मां, बहन और परिवार के लोगों का रोते हुए बुरा हाल था। नवनीत के मोबाइल पर सुबह चार बजे की मिली मिस कॉल- रूपेंद्र सुबह उठकर स्कूल बस चलाने जाता था लेकिन मंगलवार को वह आठ बजे तक नहीं जागा तो उसके पिता घर पहुंच गए। उन्होंने देखा कि बेटा मृत पड़ा है। शुरुआत में मामला आत्महत्या का लगा लेकिन पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंची तो 315 बोर के तमंचे की गोली का खोखा मिला, जबकि तमंचा गायब था। घटना की विस्तार से जांच की गई। परिजनों से पूछताछ की फिर पुलिस ने नवनीत का मोबाइल चेक किया तो उसमें मंगलवार सुबह 4-00 बजे अंशु की मिस कॉल थी। पुलिस का कहना है कि अंशु ने इस दौरान आने वाली सभी कॉल अपने मोबाइल से डिलीट कर दीं। पुलिस ने नवनीत कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपने घर से जमीन खोद कर तमंचा बरामद करा दिया है। घटना स्थल की जांच डॉग स्क्वायड की टीम और फोरेंसिक टीम ने भी की।

घंटों का सफर मिनटों में...एलिवेटेड रोड के लिए नए सिरे से भेजा प्रस्ताव, मुरादाबाद के लोगों को मिलेगी राहत

मुरादाबाद में एलिवेटेड रोड जल्द शुरू हो सकती है। सेतु विभाग ने स्टेशन रोड के ट्रैफिक को खत्म करने के लिए नए सिरे से डिजाइन तैयार कर मंजूरी के लिए शासन को भेज दी है। यह सड़क तैयार होने के बाद लोगों को राहत मिलेगी।मुरादाबाद में करीब 14 वर्षों से हो रहा एलिवेटेड रोड का इंतजार अब खत्म हो सकता है। सेतु विभाग ने स्टेशन रोड के ट्रैफिक को खत्म करने के लिए नए सिरे से एलिवेटेड रोड की डिजाइन तैयार की है। मंजूरी के लिए शासन को भेज दी गई है। नगर विधायक रितेश गुप्ता का कहना है कि जल्द ही इस नए प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है।यह रोड बनने से घंटों का सफर मिनटों में पूरा हो सकेगा। स्टेशन रोड पर महाराणा प्रताप सिंह चौक (फव्वारा चौराहा) से लेकर मिगलानी सिनेमाहाल तक इस एलिवेटेड रोड के निर्माण का प्रस्ताव पूर्व में भी कई बार शासन को भेजा जा चुका है।पीडब्ल्यूडी की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर मुहर नहीं लगी तो नगर निगम ने सीएम ग्रिड योजना के तहत इस रोड के निर्माण का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था लेकिन छह महीने बीत जाने के बाद भी इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल पाई थी। नगर विधायक रितेश गुप्ता के अनुसार सेतु निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर शशिकांत की ओर से नई डिजाइन तैयार कराकर भेजी गई है। इसकी जानकारी भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दे दी गई है। एलिवेटेड रोड का निर्माण सिंगल पिलर पर कराया जाएगा। इससे नीचे की सड़क पर कुछ खास प्रभाव नहीं पड़ेगा।शहर में न आने वाले वाहन सीधे एलिवेटेड रोड से दिल्ली या कांठ रोड तक पहुंच सकेंगे। घनी आबादी होने के कारण स्टेशन रोड पर सड़क का चौड़ीकरण नहीं हो सकता है। इसलिए लंबे समय से एलिवेटेड रोड के निर्माण की मांग की जा रही है। नए प्रस्ताव में बढ़ी दूरी - अब तक भेजे गए प्रस्ताव में एलिवेटेड रोड का निर्माण फव्वारा चौराहे से लेकर मिगलानी सिनेमा तक कराया जाना ही प्रस्तावित था। लेकिन सेतु निगम की ओर से तैयार की गई नई डिजाइन में यह एलिवेटेड रोड डबल फाटक से शुरू होकर स्टेशन रोड, फव्वारा चौराहे और पीली कोठी चौराहे से होता हुआ कांठ रोड तक बनाने की योजना तैयार की गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बरेली की पीएलवी/अधिकार मित्र द्वारा नाबालिग लड़की को उसके परिजनों से मिलवाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । ड्यूटी हेतु थाना किला जा रहीं , तभी एक लड़की वर्षा पुत्री रंजीत निवासी अगरौली थाना जैतीपुर जिला शाहजहांपुर की रहने वाली किला फाटक के पास भटकती हुई बदहवास हालत में रोती हुई मिली । उससे पूछा गया कि बेटी कहां जाना है आपको तब उसको अपने साथ थाना किला जहां पर मेरी ड्यूटी कार्यरत है लेकर पहुंची । किला प्रभारी निरीक्षक को इस लड़की की जानकारी दी ।

और उसके घर पर फोन करवा कर उसके बाबा राम किशन पुत्र मुंशी को शाहजहांपुर से बुलवाया और पूरा वाक्या बताया तब थाना किला की पुलिस की मौजूदगी में मेरे द्वारा लड़की को उसके बाबा और उसके परिजन को सुपर्द किया गया। लड़की नाबालिग थी। मेरे द्वारा उसके घर वालों को समझाया गया और इसका ख्याल रखने के लिए कहा गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बरेली की पी एल वी/ अधिकार मित्र श्रीमती सपना द्विवेदी जी की थाना किला प्रभारी ने इस कार्य के लिए बहुत सराहना कर अच्छे कार्य के लिए बधाई दी।

पुलिस का बड़ा धमाका: 275 गुम मोबाइल एक झटके में बरामद, 46 लाख का माल मालिकों को सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली पुलिस ने एक बार फिर सराहनीय कार्य करते हुए आमजन के गुम हुए मोबाइल फोनों की बड़ी खेप बरामद की है। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देशन पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सर्विलांस सेल और थानों के कंप्यूटर ऑपरेटरों की संयुक्त टीम ने नवंबर माह में कुल 275 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं,

जिनकी अनुमानित कीमत करीब 46 लाख रुपये बताई जा रही है।बरामदगी के बाद बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित रविन्द्रालय में एसपी ट्रैफिक मो अकमल खान द्वारा इन सभी मोबाइल फोनों को उनके असली मालिकों को सौंपा गया। मोबाइल पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी और उन्होंने बरेली पुलिस के प्रयासों की सराहना की। इन थानों ने 275 मोबाइल फोन किए बरामद सर्विलांस सेल 22, सुभाष नगर 20, बारादरी 20, प्रेम नगर 18, इज्जत नगर 18, भमोरा 15, कैंट 14, फरीदपुर 14, बहेड़ी 13, किला 12, कोतवाली 11, नवाबगंज 10, सीबीगंज 9, फतेहगंज पूर्वी 8, शेरगढ़ 8, आंवला 7, सिरौली 6, फतेहगंज पश्चिमी 6, शाही 5, बिशारतगंज 5, भुता 5, भोजीपुरा 5, बिथरी चैनपुर 4, शीशगढ़ 4, देवरनिया 4, हाफिजगंज 4, मीरगंज 3, क्योलड़िया 3 और अलीगंज थाने ने दो मोबाइल बरामद किए हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से झुलसा निजी अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच/ पूरनपुर-पीलीभीत। हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से झुलसा अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव ढका जा. निवासी राशिद पुत्र वन्दे हसन बुधवार सुबह लगभग 11 बजे अपने पड़ोसी साथी सोनू पुत्र शब्बीर के घर पहुंचा वहां पर लिंटर डाला जा रहा था। राशिद अचानक पास से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगते ही वह गंभीर रूप से झुलस गया। और मौके पर मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। मोहल्ले के लोगों ने तत्काल उसे बिजली के तारों से अलग कर करते हुए नज़दीकी निजी अस्पताल पहुंचाया।जहाँ डॉक्टरों ने उसकी हालत चिंताजनक बताते हुए उपचार शुरू कर दिया। घटना के बाद मोहल्ले में हड़कंप मचा हुआ था। स्थानीय निवासी फरमान,शहज़ाद, शादिक, आविद,जाकिर सहित अन्य लोगों ने बताया कि हाईटेंशन लाइन घरों और रास्तों के नज़दीक से होकर गुजर रही है।जिससे आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद बिजली विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई जिसके चलते यह हादसा हो रहे हैं।

कार ने ट्रैक्टर में मारी टक्कर खाई में पलटा चालक घायल अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच/ पूरनपुर-पीलीभीत।तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर ट्रैक्टर खाई में पलटा चालक गंभीर रूप से घायल सीएचसी में भर्ती कराया। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव जादौपुर गहलुइया निवासी जमशेद खां बुधवार सुबह अपने ट्रैक्टर से गढ़वाखेड़ा की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनका ट्रैक्टर कढेर चौरा के पास पहुंचा पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत ट्रैक्टर में फंसे जमशेद को वमुश्किल से बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार के लिए सरकारी अस्पताल भिजवाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत को गंभीर बताते हुए इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कार चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची गई थी। कार चालक की तलाश कर रही है।

ग्राम विकास अधिकारियों ने सांकेतिक धरना देकर जताया विरोध

क्यूँ न लिखूँ सच/ बीसलपुर-पीलीभीत। ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारियों ने सांकेतिक सत्याग्रह आंदोलन के तहत अपने हाथों पर काली पट्टी बांधकर धरना दिया तथा विरोध जताया। विकासखंड बीसलपुर के ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारियों ने अपने हाथ पर काली पट्टी बांधकर सांकेतिक धरना देकर ऑनलाइन उपस्थित प्रणाली लागू करने व मूल विभागीय कार्यों के अतिरिक्त अन्य विभागों के कार्य करने का विरोध किया। धरना देने वालों में जाकिर अली, संतोष वर्मा, मुकेश राना, पुष्कर राना, रितेश शुक्ला, सचिन, राहुल गंगवार सहित सभी ग्राम विकास व ग्राम पंचायत अधिकारी मौजूद रहे।

धरने पर बैठे ग्राम विकास अधिकारी।

विरोध करते रहे लोग, चलता रहा बुलडोजर, करोड़ों के बारात घर मलबे में तब्दील

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुराने शहर के सूफी टोला में लोगों की चीख पुकार, विरोध के बीच एवान-ए-फरहत और गुड मैरिज होम बारातघरों पर बुलडोजर गरजता रहा। इस दौरान ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को रोकने के लिए महिलाएं बच्चों को गोद में लेकर बुलडोजर के सामने खड़ी हो गईं।

अपनी बेबसी का इजहार करती रहीं। लेकिन कार्रवाई नहीं रुकी। मंगलवार को पांच घंटे और बुधवार को सुबह से बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। दोनों बारातघर कथित तौर पर आजम खां और मौलाना तौकीर के करीबी लोगों से जुड़े बताए जाते हैं। मंगलवार को बीडीए की टीम ने इन दोनों बारातघरों का लगभग 40 फीसदी हिस्सा तोड़ा था। बुधवार सुबह होते ही बीडीए टीम दोबारा मौके पर पहुंची और शेष अवैध हिस्सों पर ध्वस्तीकरण शुरू किया। दोनों बारातघरों की कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। बताते चलें दोनों अवैध बारातघरों के ध्वस्तीकरण का आदेश रविवार को जारी होते ही लोगों की नींद उड़ चुकी थी। सोमवार से ही हर कोई बुलडोजर को लेकर खौफ में था। रात गुजरी तो मंगलवार की सुबह 10 बजे रोज की तरह दुकानदार अपनी दुकानें खोलने पहुंचे। दोनों बारातघरों के ऊपर रहने वाले परिवार के सदस्यों को अंदेशा भी नहीं था कि कुछ ही घंटों बाद वही बारातघर और उनके आशियाने मलबे में तब्दील हो जाएंगे। जैसे ही पुलिस, पीएसी और बीडीए की टीम भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंची, लोगों के होश उड़ गए। बीडीए, पुलिस टीम ने बारातघर और ऊपर के कमरों में रहने वालों को तुरंत परिसर खाली करने को कहा। यह सुनते ही कई लोगों की आंखें भर आईं। लोग सिसकते हुए अपना सामान बाहर निकालते रहे।

परिवारजनों की आंखों में आंसू छलक रहे थे। कई ऐसे लोग थे जिनके घरों में चूल्हा तक नहीं जला था। बावजूद इसके वे किसी चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन कुछ भी नहीं हो सका। कुछ ही मिनटों में बुलडोजर बारातघर और मकानों के सामने खड़े हो गए। दो जेसीबी, एक पोकलैन जैसे ही दीवारों पर चलीं, लोगों की उम्मीदें भी धीरे-धीरे टूटने लगीं। दोपहर 2ः15 बजे शुरू हुई यह कार्रवाई लगातार पांच घंटे तक चली।

महाप्रबंधक ने कर्मचारियों को 'स्टार परफॉर्मर आफ द मंथ से किया घोषित , प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने महाप्रबन्धक सभाकक्ष में 02 दिसम्बर, 2025 को संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य सम्पादन के लिए 04 कर्मचारियों को 'स्टार परफॉर्मर आफ द मंथ' घोषित कर नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिसमें पुरस्कार प्राप्तकर्त्ताओं में इज्जतनगर मंडल के बरेली सिटी स्टेशन पर लोको पायलट/मेल के पद पर कार्यरत श्री रवि रंजन राजर्षि ने 30 नवम्बर, 2025 को गाड़ी संख्या 15076 पर कार्य के दौरान 08.49 बजे देखा कि खटीमा डाउन होम रूट इण्डीकेटर के साथ लाईन संख्या 01 के लिए ऑफ था।

गाड़ी के होम सिगनल पास होने के उपरान्त देखा कि गेट संख्या 30 स्पेशल का बूम खुला हुआ है तथा स्लाडिंग बूम व चेन भी नहीं लगा हुआ है। आपने तत्काल इमरजेन्सी ब्रेक लगाकर गाड़ी को रोक कर वॉकी टॉकी से ट्रेन मैनेजर तथा खटीमा स्टेशन मास्टर को बताया। गेट मैन द्वारा गेट को स्लाइडिंग बूम से बन्द कराने के उपरान्त गाड़ी को आगे बढ़ाया। श्री रवि रंजन राजर्षि की सजग व सतर्कता के कारण होने वाली सम्भावित घटना को रोका जा सका।

ट्रक ने बुजुर्ग दंपती को कुचला, पत्नी की मौत, पति की हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्टेडियम रोड पर बुधवार को नो एंट्री में घुसे एक ट्रक ने स्कूटी सवार बुजुर्ग दंपती को टक्कर मारने के बाद कुचल दिया। हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि उनके पति गंभीर रूप से घायल हुए हैं। नो एंट्री के बावजूद ट्रक के आवागमन को लेकर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई और हंगामा करते हुए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। पुलिस ने लोगों को शांत कराकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। आशापुरम कॉलोनी निवासी रिटायर्ड बैंक कर्मी मुकेश अग्रवाल (65) अपनी पत्नी सुनीता अग्रवाल (62) को स्कूटी पर बैठाकर दवा दिलाने ले जा रहे थे। स्टेडियम रोड स्थित एक आई हॉस्पिटल के सामने नो एंट्री में आए ट्रक ने अग्रवाल दंपती की स्कूटी को टक्कर मारते हुए उन्हें कुचल दिया। हादसे में सुनीता की मौके पर ही मौत हो गई और मुकेश गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हाईकोर्ट सख्त- कहा, हिरासत से लापता युवक की पुलिस सात साल से तलाश कर रही है, यह मजाक के सिवा कुछ नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि 2018 में हिरासत से लापता युवक की पुलिस तलाश कर रही है, यह मजाक के सिवा कुछ नहीं है। अगर कोई अनहोनी हुई है तो उस समय के एसपी को बख्शा नहीं जाएगा।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि 2018 में हिरासत से लापता युवक की पुलिस तलाश कर रही है, यह मजाक के सिवा कुछ नहीं है। अगर कोई अनहोनी हुई है तो उस समय के एसपी को बख्शा नहीं जाएगा। डीजीपी ने इस मामले में हलफनामा प्रस्तुत किया पर कोर्ट पुरी तरह से असंतुष्ट रहा। कोर्ट ने बंदी को खोजने के लिए 10 दिन का अंतिम समय दिया है।यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया है। बस्ती के पैकौलिया थाना क्षेत्र निवासी लापता शिव कुमार के पिता ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। आरोप लगाया था कि पुलिस ने उनके बेटे को एक लड़की का अपहरण करने के आरोप में उठाया था और तब से उसका कोई पता नहीं है।सितंबर 2018 में युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया था और इंस्पेक्टर ने आश्वासन दिया था कि लड़की का बयान दर्ज होने के बाद उसे रिहा कर दिया जाएगा। बाद में लड़की ने मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दिया कि वह स्वेच्छा से घर से गई थी। इसके बावजूद उनके बेटे का पता नहीं चला पाया। अदालत में 28 नवंबर को डीजीपी राजीव कृष्ण ने हलफनामा देकर बताया कि गोरखपुर जोन के एडीजी के नेतृत्व में एसआईटी बनाई गई है। हालांकि, अदालत इस जवाब से पूरी तरह असंतुष्ट रही। कोर्ट ने पुलिस को बंदी को खोजने के लिए 10 दिन का समय दिया है। स्पष्ट किया कि जवाब केवल तीन तरीकों से दिया जा सकता है। बंदी को पेश करके या उसके मृत्यु के सबूत देकर या यह दिखाकर कि वह देश छोड़ चुका है। कोई चौथा विकल्प नहीं चलेगा। अब नौ दिसंबर को मामले में होगी सुनवाई।

एयरपोर्ट पहुंचे यात्री के बैग में मिला पत्थर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। नैनीताल से मुंबई जाने को बरेली एयरपोर्ट पहुंचे यात्री के बैग में तलाशी के दौरान पत्थर मिला। सुरक्षा कर्मियों ने पत्थर निकालने को कहा तो यात्री आक्रोशित हो गया। बोला- पत्थर लेकर ही वह यात्रा करेगा। इसको लेकर विवाद के बाद सुरक्षा कर्मियों ने यात्री को रोक दिया। इससे भड़के यात्री ने सुरक्षा कर्मी को गोली मारने की धमकी दे डाली। सूचना पर पहुंची इज्जतनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सिविल एयरपोर्ट बरेली के सुरक्षा प्रभारी राजीव सिंह राठी ने इज्जतनगर पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि यात्री राहिल प्रभाकर निवासी बंग्लो जगलिया रोड भीमताल नैनीताल को बरेली से मुंबई जाना था। एक दिसंबर दोपहर 02ः55 राहिल का टिकट इंडिगो फ्लाइट (6ई5338) में बरेली से मुंबई का था। राहिल दोपहर 01ः30 बजे एयरपोर्ट पहुंचे। वहां लगेज की चेकिंग के दौरान स्कैन में एक पत्थर दिखा। इसपर राहिल को पत्थर ले जाने से रोक दिया गया।

इसपर राहिल पत्थर से आस्था जुड़ी होने की बात कह उसे ले जाने की जिद पर अड़ गया। राहिल ने हंगामा करते हुए धक्कीमुक्की और गालीगलौज कर दी। इतना ही नहीं गोली मारने की धमकी दे डाली। इससे वहां मौजूद अन्य यात्रियों में अफरातफरी मच गई। काफी समझाने पर नहीं मानने पर राहिल को सुरक्षा कर्मियों ने बाहर कर दिया। बाद में इज्जतनगर से पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। सुरक्षा प्रभारी राजीव सिंह राठी की तहरीर पर यात्री राहिल प्रभाकर के खिलाफ धारा 221, 352 और 351 के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई। मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया, वहां से जमानत पर छूट गया।

हैलो पापा...अब हम बचेंगे नहीं, हमारी चिंता मत करना... कह दवा व्यापारी की पत्नी ने दी जान

दवा व्यापारी की पत्नी ने आत्महत्या कर ली। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र की है। मायका पक्ष ने पति पर अवैध संबंधों में क्लेश करने का आरोप लगाया है।कल्याणपुर थाना क्षेत्र के दयानंद विहार में मंगलवार रात दवा व्यापारी की पत्नी ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। जान देने से पहले महिला ने अपने पिता को फोन करके कहा पापा... अब हम बचेंगे नहीं...हमारी चिंता मत करना। मायका पक्ष ने महिला के पति पर अवैध संबंधों में क्लेश करने व हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस और फॉरेंसिक ने साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, पति ने आरोपों को निराधार बताया।औरैया, थाना बेला के बिधनू बांधमऊ गांव निवासी किसान अरविंद तिवारी ने पुलिस को बताया कि 28 अप्रैल 2016 को बेटी अलमिका (33) की शादी दयानंद विहार निवासी मेडिकल स्टोर व्यापारी प्रभाकर पांडेय से की थी। पिता और भाई अभिषेक तिवारी का आरोप है कि शादी के कुछ साल बाद प्रभाकर का कन्नौज में रहने वाली एक महिला से अवैध संबंध का पता चला। इसके बाद से ही पति-पत्नी में विवाद और क्लेश होने लगा।पिता के अनुसार रात करीब 11-12 बजे के बीच में अलमिका ने घबराते हुए उन्हें कॉल किया। बेटी की बात सुनकर उनके होश उड़ गए। वह बेटी से कुछ कहते कि फोन कट गया।

सोने की चेन चुराने के मामले में बुर्के बाली महिला सहित एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पूरनपुर-पीलीभीत। सोने की चेन चोरी मामले पुलिस ने बुर्के पहने अज्ञात महिला और एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।नगर के सीमेंट रोड पर स्थित किशोरी लाल और सुमन कुमार का सोने चांदी का शोरूम है। मंगलवार लगभग दो बजे बुर्के पहने एक महिला और एक व्यक्ति सोने के जेवर की खरीदारी करने दुकान पर पहुंचे। दुकानदार ने कई सोने की चेनें दिखाई उसके बाद व्यक्ति ने एक चेन वजन लगभग 10 ग्राम बुर्का पहने महिला ने चुरा कर छिपा थी। चोरी करने का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। महिला और पुरुष मौके से फरार हो गए थे।जानकारी लगने पर हड़कंप मच गया था।इसकी तहरीर कोतवाली पुलिस को दी गई थी। बुधवार को सुमित गुप्ता की तहरीर पर एक बुर्का पहने महिला और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी हुई है।

उपलब्धिः देश में 200 साल बाद देवव्रत ने 50 दिनों में 2000 वेद मंत्रों का किया दंडक्रम पारायण, पीएम ने की तारीफ

काशी के इतिहास में पहली बार 19 साल के देवव्रत ने 50 दिनों में 2000 वेद मंत्रों का दंडक्रम पारायण किया। इसके लिए देवव्रत महेश रेखे घनपाठी को काशी के विद्वानों ने दंडक्रम विक्रमादित्य की उपाधि प्रदान की।काशी के इतिहास में पहली बाद 19 साल के वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे घनपाठी ने 50 दिनों में 2000 वेदमंत्रों का दंडक्रम पारायण संपूर्ण किया। वल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय में वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे घनपाठी को काशी के विद्वानों ने दंडक्रम विक्रमादित्य की उपाधि प्रदान की। श्रृंगेरी के शंकराचार्य की ओर से महेश रेखे को स्वर्ण कंगन और एक लाख एक हजार एक सौ 16 रुपये की दक्षिणा प्रदान की गई। नमो घाट पर मंगलवार को काशी तमिल संगमम के मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवव्रत महेश रेखे घनपाठी को सम्मानित भी किया।महाराष्ट्र के 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत

महेश रेखे की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तारीफ की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि उनकी सफलता हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्रेरणा बनने वाली हैं। देवव्रत की इस उपलब्धि पर पीएम ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारतीय संस्कृति में आस्था रखने वाले हर एक व्यक्ति को ये जानकर अच्छा लगेगा कि देवव्रत ने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनी शाखा के दो हजार मंत्रों वाले दंडक्रम पारायण को 50 दिनों तक बिना किसी अवरोध के पूर्ण किया है। इसमें अनेक वैदिक ऋचाएं और पवित्र शब्दों का त्रुटिहीन उच्चारण शामिल है।ये उपलब्धि हमारी गुरु परंपरा के सर्वोत्तम उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, काशी का सांसद होने के नाते मुझे इस बात का गर्व है कि उनकी यह अद्भुत साधना इसी पवित्र धरती पर संभव हुई। उनके परिवार, विभिन्न संतों, ऋषियों, विद्वानों और देशभर की उन संस्थाओं को मेरा प्रणाम, जिन्होंने इस तपस्या में उन्हें सहयोग किया। नमो घाट पर काशी तमिल संगमम के मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवव्रत महेश रेखे घनपाठी को सम्मानित किया।विश्व में दूसरी बार काशी में हुआ दंडक्रम का पारायण- संपूर्ण विश्व में दूसरी बार 200 साल बाद काशी में दंडक्रम का पारायण हुआ। 200 साल पहले नासिक में वेदमूर्ति नारायण शास्त्री देव ने दंडक्रम पारायण किया था। सांगवेद विद्यालय पद्मश्री गणेश्वर शास्त्री द्राविड़ ने बताया कि देवव्रत ने दो अक्तूबर को वल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय में पारायण की शुरुआत की थी और 30 नवंबर को इसकी पूर्णाहुति हुई। पूर्णाहुति के बाद श्रृंगेरी मठ में देवव्रत महेश रेखे का नागरिक अभिनंदन किया गया।दो हजार मंत्रों को कंठस्थ करके सुनाना होता है दंडक्रम पारायण में शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनी शाखा के दो हजार मंत्रों को कंठस्थ कर सुनाना होता है। दंडक्रम को अपने जटिल स्वर श्रृंखला और कठिन ध्वन्यात्मक क्रम परिवर्तन की वजह से वैदिक पाठ का मुकुट माना जाता है। श्रृंगेरी मठ के चल्ला अन्नपूर्णा प्रसाद ने बताया कि कम उम्र में इतने कठिन मंत्रों का दंडक्रम पारायण मुश्किल होता है। कोई प्रखर बुद्धि और तेजस्वी ही कर सकता है। जगद्गुरु शंकराचार्य के आशीर्वाद से वैदिक सम्राट श्रीकृष्ण शास्त्री गोडशे की जन्मशताब्दी, वेदमूर्ति विश्वनाथ भट्ट जोशी (आलंदी) और पारायणकर्ता की माता की स्मृति में यह समारोह हुआ।

दो लाख से अधिक बार हुआ पारायण- वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे ने बताया कि इन 50 दिनों में उन्होंने रोज सुबह आठ से मध्याह्न 12 बजे तक दंडक्रम का पारायण किया। शुक्ल यजुर्वेद के माध्यंदिनी शाखा के करीब दो हजार मंत्रों का पारायण हुआ। यह मंत्र उनको कंठस्थ हैं। यह पारायण वेदों के आठ विकृतियों में एक है। यह सामान्य मंत्र से अलग पाठ होता है और फिर अनुलोम-विलोम के रूप में पारायण होता है। इस शाखा के दो हजार मंत्रों के दंडक्रम पारायण करने पर दो लाख से अधिक बार पारायण होगा।

कफ सिरप के सरगना शुभम जायसवाल के मकान पर ईडी की नोटिस चस्पा, टीम खंगाल रही अन्य संपत्तियों का ब्योरा

कफ सिरप की तस्करी के सरगना शुभम जायसवाल की तलाश में अलग- अलग पुलिस टीमें लगी हैं। उधर, बुधवार को उसके बनारस स्थित मकान पर नोटिस चस्पा की कार्रवाई की गई है। अरबों रुपये के कफ सिरप अवैध कारोबार के आरोपी शुभम जायसवाल निदेशालय लखनऊ की टीम ने शुरू कर दी है। मनी लांड्रिंग साथ शुभम जायसवाल के मकान पर धमकी।आदमपुर थाना क्षेत्र होने के कारण टीम ने नोटिस चस्पा की कार्रवाई की। वहीं धमकी है। प्रवर्तन निदेशालय लखनऊ जोनल टीम आरोपी का भी ब्योरा खंगाल रही है। नोटिस चस्पा की कार्रवाई प्रवर्तन है।भगोड़ा और रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की तैयारी में आरोपी शुभम जायसवाल को भगोड़ा और रेड कॉर्नर नोटिस मोहित अग्रवाल ने बताया कि भगौड़ा घोषित कराने के लिए चुकी है। शैली ट्रेडर्स के कर्ता धर्ता और 100 करोड़ के अवैध शुभम के प्रत्यर्पण को लेकर प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। फर्जीवाड़ा, को लेकर पुलिस की अलग-अलग पांच टीमें काम कर रही हैं। हैं। इन जिलों में शुभम के खिलाफ दर्ज है प्राथमिकी- में भी शुभम जायसवाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है। पिता से गिरफ्तार किया था। ट्रांजिट रिमांड पर लेकर एसआईटी भोला पहुंचा था। गिरफ्तारी के दौरान भोला ने पुलिस को बताया कि शुभम दुबई में है।

और उसके पिता भोला जायसवाल की सम्पति की जांच प्रवर्तन मामले में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद ईडी की दो टीम ने एक के प्रहलाद घाट स्थित कायस्थ टोला मकान में बाहर से ताला बंद दूसरी टीम ने सिगरा थाना क्षेत्र के बादशाह बाग स्थित मकान पर शुभम जायसवाल और उसके माता, पिता समेत रिश्तेदारों की संपत्ति निदेशालय के सहायक निदेशक प्रवीण कुमार के नेतृत्व में हुई कमिश्नरेट पुलिस अरबों की कोडिन युक्त कफ सिरप तस्करी के जारी करने की तैयारी में कमिश्नरेट पुलिस है। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट पुलिस की ओर से कोर्ट में आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो कारोबार के आरोपी शुभम की लोकेशन दुबई में मिली है। दुबई से धोखाधड़ी और एनडीपीएस एक्ट में वांछित शुभम की गिरफ्तारी कमिश्नरेट की एसआईटी के अलावा अन्य एजेंसियां भी लगी हुई सोनभद्र, जौनपुर, वाराणसी, गाजियाबाद, चंदौली समेत अन्य जनपदों भोला प्रसाद को सोनभद्र पुलिस ने कोलकाता के दमदम एयरपोर्ट से पूछताछ करेगी। भोला भी दुबई भागने के फिराक में एयरपोर्ट पर

नए साल में पीसीएस के 1850 से अधिक पदों पर होगी भर्ती, वर्ष 2024 के अंतर्गत 947 भर्ती भी होगी पूरी

यूपी लोक सेवा आयोग अगले वर्ष 2026 में 1850 पदों पर भर्ती की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा पीसीएस 2024 के खाली रह गए 947 पदों को भी भरने की घोषणा की है। आयोग प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम शीघ्र घोषित कर सकता है। साथ ही मुख्य परीक्षा का परिणाम भी फरवरी और मार्च में घोषित करना संभावित है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग आगामी वर्ष में पीसीएस के अंतर्गत ही 1850 से अधिक पदों पर भर्ती करेगा। यह भर्ती पीसीएस-2024 एवं पीसीएस-2025 के अंतर्गत की जाएगी। आयोग ने सोमवार को पीसीएस-2025 प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया। इसके तहत 920 पदों पर भर्ती की जाएगी। हालांकि, विज्ञापन के समय 200 पदों की घोषणा की गई थी। इसके अलावा पीसीएस-2024 के तहत भी 947 पदों पर भर्ती की घोषणा की गई है।

आयोग के अफसरों के अनुसार पीसीएस-2024 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अब स्क्रूटनी जारी है। फरवरी-मार्च तक मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित होने की उम्मीद है। आयोग के अफसरों के अनुसार इसके बाद साक्षात्कार कराकर मई तक अंतिम परिणाम घोषित करने की तैयारी है। इसी तरह से पीसीएस-2025 की भर्ती प्रक्रिया भी 2026 में पूरी कर लेने की तैयारी है। यदि ऐसा होता है तो आयोग एक वर्ष में पीसीएस की दो भर्तियों की प्रक्रिया पूरी करने के साथ 1867 अफसरों की नियुक्ति करेगा।प्री में मानक से कम अभ्यर्थी क्वॉलीफाई कराने का आरोप- उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से सोमवार को घोषित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा-2025 के परिणाम पर भी प्रतियोगियों ने आपत्ति जताई है। प्रतियोगियों ने मानक से कम अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए क्वॉलीफाई करने का आरोप लगाया है। प्रतियोगी प्रशांत पांडेय आदि का कहना है कि आयोग के अध्यक्ष ने घोषणा की थी कि प्रारंभिक परीक्षा में पद के सापेक्ष 13 के बजाय 15 गुना अभ्यर्थी सफल घोषित किए जाएंगे। आयोग ने पीसीएस-2025 में 920 पदों पर भर्ती की घोषणा की है। प्रशांत का कहना है कि इस लिहाज से 13800 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए क्वॉलीफाई कराया जाना चाहिए था। लेकिन 11772 अभ्यर्थी ही सफल घोषित किए गए हैं, जो 13 गुना भी नहीं है। उन्होंने इस पर आपत्ति जताई है।

एलटी ग्रेड भर्ती परीक्षा छह से, जिलों में पहुंचे आयोग के नोडल अधिकारी उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक भर्ती (एलटी ग्रेड) परीक्षा के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी जिलों के लिए रवाना हो गए हैं। आयोग ने एलटी ग्रेड के 7466 पदों पर भर्ती की घोषणा की है। इसके लिए कुल 12,36,238 आवेदन आए हैं। आयोग की ओर से छह, सात एवं 17, 18, 21, 24 व 25 दिसंबर को परीक्षा कराने की घोषणा की है। पहले दिन यानी छह दिसंबर को गणित एवं हिंदी विषय के अभ्यर्थियों की परीक्षा होगी। वहीं, सात दिसंबर को विज्ञान एवं संस्कृत विषय के अभ्यर्थियों की परीक्षा होगी। आयोग की भर्ती परीक्षाओं में अब जिला स्तर पर केंद्र व्यवस्थापकों के अलावा कक्ष निरीक्षकों के भी प्रशिक्षण का निर्णय लिया गया है। यह प्रशिक्षण आयोग के नोडल अधिकारी के निर्देशन में होगा। ऐसे में छह एवं सात दिसंबर को प्रस्तावित परीक्षा के लिए आयोग की ओर से नियुक्त नोडल अधिकारी जिलों में पहुंच गए हैं।

ताजमहल की खूबसूरती आगरा के लिए श्राप..., भाजपा सांसद बोले- युवा हो रहे बेरोजगार; सरकार से की ये मांग

आगरा के फतेहपुरसीकरी से भाजपा सांसद राजकुमार चाहर ने संसद में कहा कि ताजमहल की खूबसूरती आगरा की जनता के श्राप बन गई है। उन्होंने कहा कि युवा बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं।फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर ने आगरा में लागू टीटीजेड की पाबंदियों को लेकर संसद के शीतकालीन सत्र में मुद्दा उठाते हुए सरकार से आईटी हब बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि ताज की खूबसूरती भी बनी रहेगी।सांसद राजकुमार चाहर ने कहा कि आगरा में विश्व प्रसिद्ध ताजमहल है। उसकी खूबसूरती पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित करती है, लेकिन यही खूबसूरती आगरा की जनता के लिए एक तरह से श्राप बन गई है। ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) और एनजीटी के कड़े नियमों के कारण आगरा में उद्योग व फैक्ट्रियों की स्थापना लगभग असंभव हो गई है, जिसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि आगरा का नौजवान बेरोजगारी का सामना कर रहा

है। सांसद ने आगरा की भौगोलिक और सड़क कनेक्टिविटी को रेखांकित करते हुए कहा कि दिल्ली-आगरा एक्सप्रेसवे, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे, आगरा-ग्वालियर नया एक्सप्रेसवे और आगरा-जयपुर मार्ग के कारण आगरा की देश के प्रमुख महानगरों तक पहुंच है। जब उद्योगों पर प्रतिबंध है, तब शहर के विकास का सबसे उपयुक्त और बड़ा विकल्प यह है कि आगरा में भारत का प्रमुख आईटी हब स्थापित किया जाए। सांसद ने केंद्र सरकार से मांग रखते हुए कहा कि आगरा के बेरोजगार युवाओं के भविष्य और जनहित को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से आईटी हब घोषित किया जाए। इससे जहां हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं शहर का समग्र विकास भी होगा और ताजमहल की ऐतिहासिक सुंदरता भी सुरक्षित रहेगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बीएचयू में बवाल के मामले में पुलिस का एक्शन, अंकित सिंह, अंकित पाल सहित 100 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बीएचयू में छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच मारपीट व पथराव के मामले में सहायक सुरक्षा अधिकारी हसन अब्बास जैदी की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आईआईटी बीएचयू परिसर में देर

रात छात्र और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई मारपीट और पथराव के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सहायक सुरक्षा अधिकारी हसन अब्बास जैदी की तहरीर पर अंकित सिंह, अंकित पाल सहित 100 अज्ञात के खिलाफ लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। सहायक सुरक्षा अधिकारी का आरोप है कि दोनों नामजद आरोपी विश्वविद्यालय के छात्र नहीं है। देर रात सुंदर बगिया गेट के पास से झगड़ा करते हुए अंकित और अंकित पाल को सुपरवाइजर विनोद शर्मा कार्यालय लेकर गए थे। इतनी देर में 30 से 40 की संख्या में मुंह बांधकर पहुंचे हमलावरों ने सुरक्षा कर्मियों पर हमला कर दिया। सुरक्षा कर्मी प्रमोद सिंह को गंभीर रूप से चोटें आई हैं। हमलावर कार्यालय में घुसकर मारपीट तोड़फोड़ करने लगे। उसके बाद एलडी गेस्ट हाउस से लेकर हॉस्टल रोड तक पथराव किया। देर रात में पथराव के दौरान भगदड़ की स्थिति मच गई थी।बवाल के दौरान एलडी गेस्ट हाउस के बाहर चौराहे पर लगे 10 से ज्यादा गमले, वाहन और कुर्सियां तोड़ दी गईं। 100 से ज्यादा घायल हो गए। तमिल संगमम के वणक्कम काशी के दो बड़े पोस्टर फाड़ दिए गए। बवाल के बाद करीब आधा किलोमीटर तक ईंट-पत्थर बिखरे मिले।मारपीट के बीच में आए ब्रोचा हॉस्टल विज्ञान के एक छात्र का सिर फट गया। उसने बताया कि वह गलती से पत्थरबाजी के बीच में आ गया। गार्डों ने भी उस पर लाठियां बरसा दीं। बवाल के बीच 50 छात्र, 40 सुरक्षाकर्मी और 10 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। कुछ छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया।

मुनाफे के लालच में गवां दी बेटी की शादी के लिए रखी रकम, जालसाजों ने 42 लाख रुपये की लगा दी चपत

शेयर ट्रेडिंग में डेढ़ करोड़ के मुनाफे का झांसा देकर 42 लाख की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। साइबर जालसाजों ने तीन अलग-अलग एप से ट्रेडिंग के बहाने पीड़ित को झांसे में लिया।शेयर ट्रेडिंग में डेढ़ करोड़ मुनाफे का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने ऋषि अहूजा के 42.60 लाख रुपये ठग लिए। तीन अलग-अलग एप

से जालसाजों ने ट्रेडिंग के बहाने झांसे में लिया। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में साइबर धोखाधड़ी समेत अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज कराई है। साइबर विशेषज्ञों की टीम बैकिंग लेनदेन और एप से जांच कर रही है।विद्यापीठ रोड के राजा नगर निवासी ऋषि आहूजा ने साइबर क्राइम पुलिस को बताया कि फरवरी 2025 में मोबाइल पर आकाश सिसोदिया नामक व्यक्ति ने खुद को प्योर प्रॉफिट कंपनी जयपुर का कर्मचारी बताया। शेयर ट्रेडिंग के फर्जी लाभ के स्क्रीनशॉट भेजे। धीरे- धीरे उसकी बातों में आ गया।बाद में समीर उपाध्याय नामक व्यक्ति ने खुद को कंपनी का वरिष्ठ कर्मचारी बताया और इस प्रक्रिया में शामिल कराया।

आकाश ने पहले मुएंजल वन ट्रेडिंग ऐप में एक लाख जमा करवाए। कैपिटल मंक नाम का एक ऐप दिया, जिसमें नकली ट्रेड और फंड्स दिखाए जा रहे थे। ईमेल पर फर्जी ट्रेड रिपोर्ट भी भेजी। फिर कहा कि प्रॉफिट का 30 प्रतिशत जमा करना होगा, जो लगभग 35 लाख था। यह भुगतान सचिन नामदेव नाम के एक पर्सनल सेविंग अकाउंट में करवाया गया।उन्होंने 1.8 करोड़ का फर्जी मुनाफा दिखाया था। सीडीएसएल ने फंड को ब्लॉक कर दिया और इनकम टैक्स ने क्लियरेंस नहीं दिया है। बेटे ईशान आहूजा और रिश्तेदार विकास अरोड़ा जयपुर में कंपनी के बताए गए पते पर जांच करने पहुंचे, लेकिन वहां कोई भी कार्यालय नहीं था। तब समझ में आया कि यह कंपनी और उसका पूरा सेटअप फर्जी है। ऋषि ने पुलिस को बताया कि बेटी की शादी के लिए रकम इकट्ठा कर रखी थी। साइबर क्राइम इंस्पेक्टर गोपालजी कुशवाहा ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

OWN STATE

www.knlslive.com

04 December 2025

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छ भारत थीम पर पदयात्रा का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशानिर्देश में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छ भारत की थीम पर जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा वाहिनी मुख्यालय से प्रारंभ होकर खरगौरा बाजार तक निकाली गई, जिसमें वाहिनी के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए व्यापक स्वच्छता संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा समाज में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण को बढ़ावा देना था। पदयात्रा के दौरान प्रतिभागियों द्वारा स्वच्छता के नारे लगाए गए तथा आमजन को स्वच्छता अपनाने, कचरा प्रबंधन एवं प्लास्टिक मुक्त वातावरण के प्रति प्रेरित किया गया। 62वीं वाहिनी द्वारा भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

एचयूआरएल यूरिया की कालाबाजारी का भंडाफोड़, विक्रेता पर एफआईआर दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी, ब्यूरो। किसानों को समय पर और पारदर्शी तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन की कड़ी निगरानी के बीच करैरा विकासखण्ड के ग्राम सिरसौद में यूरिया की कालाबाजारी का मामला उजागर हुआ है। प्रशासन ने संबंधित विक्रेता के.के. ट्रेडर्स सिरसौद के प्रोप्राइटर कृष्णकान्त गुप्ता के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभारी उर्वरक निरीक्षक फूल सिंह हिण्डोरिया को सूचना मिली थी कि ग्राम सिरसौद में एचयूआरएल कम्पनी के 85 बोरी यूरिया को पिकअप वाहन (क्रमांक यूपी 93 एटी 3512) से अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा है। तत्काल कार्रवाई करते हुए निरीक्षक मौके पर पहुंचे और वाहन चालक राजेश प्रजापति से पूछताछ की। चालक ने बताया कि यह उर्वरक के.के. ट्रेडर्स का है और इसे ग्राम बड़ौनी के पास एक दुकानदार से लाया-ले जाया जा रहा था। मौके पर प्रोप्राइटर कृष्णकान्त गुप्ता को बुलाकर परिवहन से जुड़े वैध दस्तावेज और बिल प्रस्तुत करने को कहा गया, परंतु वे कोई भी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इससे यूरिया की कालाबाजारी की पुष्टि हुई। उप संचालक कृषि के निर्देशानुसार प्रभारी उर्वरक निरीक्षक द्वारा विक्रेता के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 एवं उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 की धारा 7 एवं 8 के तहत एफआईआर पंजीबद्ध करवाई गई है।

मुरादाबाद निगम के उप नगर आयुक्त निलंबित, काम में अनियमित्ता पर कार्रवाई, निदेशालय किए गए अटैच

मुरादाबाद नगर निगम के उप नगर आयुक्त राजकिशोर प्रसाद को निलंबित कर दिया गया है। उन पर अलीगढ़ में तैनाती के दौरान सरकारी भूमि के अवैध एक्सचेंज मामले में गंभीर अनियमितता के आरोप थे। नगर विकास विभाग ने अलीगढ़ नगर निगम से संबंधित सरकारी भूमि के अवैध एक्सचेंज मामले में गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए नगर निगम मुरादाबाद में उप नगर आयुक्त के पद पर तैनात राजकिशोर प्रसाद को निलंबित कर दिया है। यह आदेश प्रमुख सचिव पी. गुरुप्रसाद की ओर से जारी किया गया है।प्रमुख सचिव के आदेश के अनुसार, अलीगढ़ के नगर आयुक्त ने शासन को अवगत कराया था कि कोल तहसील के ग्राम धौर्रा माफी का गाटा संख्या-345 राजस्व अभिलेखों में ऊसर भूमि के रूप में दर्ज है और नगर निगम की निहित संपत्ति है।निगम ने पूर्व में इस भूमि को कब्जा मुक्त कराते हुए दस फीट ऊंची बाउंड्रीवाल, गेट और निगम संपत्ति का बोर्ड लगाकर अपने नियंत्रण में ले लिया था। इसका वाद अपर जिलाधिकारी (नगर) अलीगढ़ की अदालत में लंबित था। तत्कालीन उप नगर आयुक्त राजकिशोर प्रसाद उस समय विधि विभाग का प्रभार भी संभाल रहे थे। आरोप है कि उन्होंने बिना विभागीय रिपोर्ट प्राप्त किए, बिना राजस्व अभिलेखों का परीक्षण किए और बिना भूमि की स्थिति एवं स्वामित्व की पुष्टि किए अलग

में गाटा-342 व 345 के एक्सचेंज पर अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) दे दिया था। इसी के आधार पर एडीएम (नगर) की अदालत ने 16 जनवरी 2024 को आदेश पारित कर भूमि को परस्पर एक्सचेंज कर दिया और राजस्व अभिलेखों में अमल दरामद का आदेश भी जारी हो गया। शासन के अनुसार, ग्राम धौर्रा माफी वर्ष 2017 में नगर निगम सीमा में शामिल हुआ था। गाटा संख्या-345 पहले से निगम के कब्जे में था, इसलिए नियमानुसार इसका एक्सचेंज संभव ही नहीं था। जबकि गाटा-342 और 345 दोनों पर पहले से आबादी थी। इस तरह बिना अनुमति और गलत तथ्यों पर आधारित एनओसी देकर सरकारी भूमि को नुकसान पहुंचाने और वित्तीय अनियमितता के गंभीर आरोप सामने आए हैं। शासन ने राजकिशोर प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उनके विरुद्ध नियम-7 के अंतर्गत विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। इसके लिए अपर आयुक्त (प्रशासन) अलीगढ़ को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। निलंबन अवधि में राजकिशोर प्रसाद को लखनऊ स्थित नगर निकाय निदेशालय से संबद्ध किया गया है। मामले को शासन ने अत्यंत गंभीर माना है और जांच पूरी होने तक राजकिशोर प्रसाद सेवा से बाहर रहेंगे। मुरादाबाद मामले में भी चल रही जांच -उप नगर आयुक्त राजकिशोर प्रसाद ने कांशीराम कॉलोनी में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान एक व्यक्ति की दीवार गलत ढंग से ढहा दी थी, जिसका मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट तक पहुंचा था। इस मामले के बाद उनसे संपत्ति विभाग का चार्ज हटा दिया गया था और विभागीय जांच शुरू कर दी गई थी। आरोप था कि उप नगर आयुक्त ने जांच अधिकारियों के लिए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया था। घटना के बाद नगर आयुक्त ने उप नगर आयुक्त की रिपोर्ट शासन को भेज दी थी।

टूट गई सिर की हड्डी... दिमाग भी फटा, नर्स बहन को इसलिए क्रूरता से काटा; जिंदा रहने के शक में गला भी दबाया

टूट गई सिर की हड्डी... दिमाग भी फटा, नर्स बहन को इसलिए क्रूरता से काटा; जिंदा रहने के शक में गला भी दबायाअमरोहा के कैलसा में जमीन में हिस्सा मांगने पर हत्या के आरोपी शिवराज ने अपनी नर्स बहन संयोगिता की हत्या गन्ना काटने के गंडासे से की थी। उसने पहला प्रहार सिर पर किया। इसके बाद दो वार गर्दन व चेहरे पर किए और जीवित समझ कर दुपट्टे से गला भी दबा दिया। सिर पर प्रहार इतना तेज था कि भीतर की हड्डी टूट गई और दिमाग भी फट गया। घटना के समय संयोगिता खाना खाए हुए थी। इससे साफ है घटना के कुछ देर पहले तक घर में सबकुछ ठीक था। इसी दौरान संयोगिता ने खाना खाया होगा। मंगलवार की दोपहर तीन डॉक्टरों के पैनल ने संयुक्त के शव का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। वहीं, पुलिस ने हत्यारोपी श्योराज को हिरासत में ले लिया है। को यही बताया कि संयोगिता जमीन समय थोड़ी सी कहासुनी हुई और गुस्से आरोपी श्योराज को उसके हाथों बहन उसका कहना है कि हत्या करना इरादा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में संयोगिता के सिर, के तीन निशान मिले हैं। एसपी अमित हत्यारोपी शिवराज को हिरासत में लेकर रिपोर्ट में सिर और गर्दन पर धारदार है। उसने संयोगिता का दुपट्टे से गला पर हत्या में प्रयुक्त वस्तु को बरामद मामले में मां हुकुम देवी की तहरीर पर खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई देहात थाना क्षेत्र के नन्हेड़ा अलियारपुर परिवार रहता है। वह सिंचाई विभाग में देवी के अलावा बेटा श्योराज और तीन संयोगिता हैं। बड़ी बेटी शकुंतला और है।संयोगिता अविवाहित हैं। पांच साल में नर्स थीं लेकिन 16 अक्तूबर को पिता लगीं। पिता की जमीन में संयोगिता के

पूछताछ के दौरान उसने पुलिस में हिस्सा मांग रही थी।घटना के में आकर मार डाला। हत्या के की हत्या होने का अफसोस है। नहीं था बस गुस्से में मार दिया। चेहरे और गर्दन पर गहरी चोट कुमार आनंद ने बताया कि पूछताछ की जा रही है।पोस्टमार्टम हथियार के चोट के निशान मिले भी घोटा था। उसकी निशानदेही करने की कोशिश की जा रही है। सोमवार की देर रात श्योराज के थी। यह था मामला- अमरोहा गांव में दिवंगत भगवान दास का चपरासी थे। परिवार में पत्नी हुकुम बेटी शकुंतला, ममता और ममता की शादी हो चुकी से मुरादाबाद के निजी अस्पताल के निधन के बाद गांव में ही रहने हिस्सा मांगने के कारण भाई

श्योराज से विवाद चल रहा था।सोमवार सुबह 11 बजे इस बात को लेकर फिर कहासुनी हुई। गुस्से में आकर श्योराज ने सिर में धारदार हथियार मारकर संयोगिता की हत्या कर दी। वारदात के वक्त मां बाथरूम में थीं, जबकि श्योराज की पत्नी मनु और बच्चे खेत पर थे।स्नान करने के बाद कमरे में आईं हुकुम देवी ने बेटी को लहूलुहान हालत में पड़ा देखा तो उनकी चीख निकल गई। आरोपी श्योराज घटना को अंजाम देकर भाग गया था। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाए थे।16 बीघा जमीन बनी खूनी खेल की वजह

परिजनों के मुताबिक भगवान दास के नाम पर 16 बीघा जमीन है। उनकी मौत के बाद श्योराज इस जमीन पर खेती-बाड़ी कर परिवार का पालन पोषण करता था। जो बहन पांच साल पहले गांव के ही रहने वाले दूसरे समुदाय के युवक के साथ मुरादाबाद में लिव इन में रहने लगी वह जमीन के खातिर वापस लौट आएगी शिवराज को इसकी उम्मीद नहीं थी।पिता भगवान दास की मौत के बाद से ही संयोगिता ने जमीन में हिस्सा मांगना शुरू कर दिया था। इसी बात को लेकर घर में विवाद रहने लगा। इसी जमीन के कारण श्योराज अपनी बहन संयोगिता की हत्या कर खूनी बन गया।भाई और मां के नाम होने वाली थी पिता की जमीन- भगवान दास की मौत के बाद उनके हिस्से की जमीन बेटे श्योराज और उनकी पत्नी हुकुम देवी के नाम आने वाली थी। जमीन की फौती करने के लिए श्योराज ने आवेदन किया था जिसके आधार पर हल्का लेखपाल ने रिपोर्ट लगाकर उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दी है। लेखपाल ने बताया कि जांच में सामने आया था कि भगवान दास की सबसे छोटी बेटी संयोगिता पांच साल पहले मुरादाबाद चली गई थी।वह वहीं पर किसी व्यक्ति के साथ लिव-इन में रह रही है। जिसके आधार पर भगवान दास के हिस्से की जमीन उनके बेटे श्योराज और पत्नी हुकुम देवी के नाम पर दर्ज की जा रही थी। लेखपाल ने बताया कि जमीन में हिस्सा लेने के लिए संयोगिता ने कभी भी मुझे या प्रशासनिक अधिकारियों से कोई मांग नहीं की थी।

संक्षिप्त समाचार

शादी का झांसा देकर भगाकर दुष्कर्म करने वाले दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती-सोनवा पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में जनपद श्रावस्ती में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा

रहे प्रभावी नियंत्रण व कार्यवाही तथा महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द उत्तम के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी इकौना भरत पासवान के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष विसुनदेव पाण्डेय थाना सोनवा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर मुकदमा से सम्बन्धित वांछित 02 अभियुक्तगण सुक्खा उर्फ सुखराम पुत्र छोटेलाल व महेश पुत्र बाबूराम निवासी सोरहिया दा0 ककरा थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती को भंगहा मोड तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया।

साइबर ठगों ने पीड़ित से 622010 रुपए हड़पे

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। कटरा-पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती राहुल भाटी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी अपराध/साइबर क्राइम आलोक सिंह के कुशल नेतृत्व तथा प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम पुलिस थाना श्रावस्ती संतोष कुमार के प्रयास से वादी संदीप कुमार जायसवाल के साथ हुई ऑनलाइन यूपीआई ठगी से पीड़ित संदीप कुमार जायसवाल निवासी सुईया परसोहना तालबघौड़ा थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती द्वारा 31 अगस्त 2025 को थाना सिरसिया पर मु0अ0सं0 05/2025 धारा 318(4), 319 (2) इठर व 66 (ऊ) आईटी एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कराया गया था। वादी से पूछताछ में यह ज्ञात हुआ कि फ्रॉडस्टर द्वारा कैम्पा कोला की एजेंसी दिलाने के नाम पर ऑनलाइन माध्यम से कुल 6,22,010 रुपये ठग लिए गए थे। प्रकरण में की गई त्वरित साइबर जांच व कार्रवाई के फलस्वरूप 82010 रुपये पीड़ित के बैंक खाते में वापस कराए गए।

कोहरे का कहर: तीस से ज्यादा ट्रेनें तीन माह के लिए रद्द, ट्रैक सुधार व अन्य कार्यों के लिए रेलवे को मिला समय

कोहरे का कहर- तीस से ज्यादा ट्रेनें तीन माह के लिए रद्द, ट्रैक सुधार व अन्य कार्यों के लिए रेलवे को मिला समयकोहरे के कारण तीन माह तक 30 से अधिक ट्रेनों का संचालन रद्द किया गया है। इससे रेलवे को ट्रैक सुधार व अन्य विकास कार्यों को

करने के लिए समय मिलेगा। ट्रैक पर ब्लॉक लेने में आसानी होगी। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक रेलवे ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग का 50 प्रतिशत कार्य पूरा करने का दावा कर रहा है।साथ ही कवच प्रणाली को लेकर लगातार बैठकें हो रही हैं। मंडल में ट्रैक पर डिवाइस लगाने का काम भी तेज होगा। ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग के लिहाज से अब तक गाजियाबाद-डासना-पिलखुआ-महरौली तक के सेक्शन को तैयार किया गया है।वहीं डाउन लाइन पर रोजा-सीतापुर-जंगबहादुर-नेरी रेलखंड में काम पूरा हो गया है। अब पिलखुआ से हापुड़ के बीच और शाहजहांपुर से नेरी के बीच काम चल रहा है। फरवरी के अंत तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है। इसके बाद अगले वित्तीय वर्ष में हापुड़ से मुरादाबाद और मुरादाबाद से बरेली के बीच कार्य होगा।मार्च 2027 तक कार्य को पूरा करने का दावा किया जा रहा है। दूसरी ओर ट्रेनों की टक्कर को रोकने के लिए इंजनों में एंटी कॉलिजन डिवाइस लगाई जा चुकी हैं। ट्रैक पर ऑप्टिकल फाइबर केबिल बिछाने और आरएफआईडी लगाने का कार्य बाकी है। 1500 करोड़ के दोनों प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने के लिए रेलवे ट्रेनों को रद्दीकरण का लाभ ले रहा है। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि ट्रेनों का संचालन कम होने से पटरियों पर होने वाले विभिन्न कार्य सुगमता से हो सकेंगे। एबीएस और कवच का काम तेजी से चल रहा है।

If you're visiting Amritsar for the first time, there's no better time than winter. Read these 5 great reasons why.

If you've never been to Amritsar before and are planning a trip, there's no better time than winter. In fact, Amritsar becomes even more beautiful in the cold, allowing you to enjoy its beauty and cuisine without any hassle. Amritsar is a Amritsar's food also doubles as a delight during visit. From the tranquility of the Golden Temple everything. But winter is a city of its own. If you've there's no better time than winter. Let's explore should pack for a trip, and what you can do there. Amritsar's bustling streets and heritage sites. The if you want to cover multiple sights in a day. exploring the local markets, this pleasant weather Peace at the Golden Temple - Winter mornings The light mist, calm atmosphere, and soft light relaxing even on crowded days. Darshan queues atmosphere remains comfortable throughout. more enjoyable in this cool weather. Amritsar's brings its flavors to the fore. Traditional dishes like lassi are even more delicious this season. Even and jalebi taste delicious in the winter. you won't feel overly heavy. Experiencing the Border is a must-see, but waiting under the open the entire experience much more comfortable. The better, and the patriotic atmosphere is even more for shopping and cultural excursions - You can spices in Amritsar's markets. Winter makes comfortably browse through the clothing and other walks, especially around the Town Hall, old this season. Winter Accommodation and Things accommodation options, from guest houses near For winter travel, be sure to pack thermal wear, comfortable closed shoes, scarves, gloves, and a

wonderful place to visit. Winter is the best time to visit. winter. Amritsar is one of the most beautiful places to to the hustle and bustle of the markets, Amritsar offers never been to Amritsar before and are planning a trip, why winter is the best time to visit Amritsar, how you Comfortable Weather - Winter is the best time to explore mild chill allows for long walks without tiring, especially Whether you're strolling around the Golden Temple or allows you to explore at your own pace. Experience bring a special sense of tranquility to the Golden Temple. reflecting off the lake create an atmosphere that feels feel more organized during this season, and the Guru ka langar, with its hot dal and fresh rotis, is even Food - Amritsar is renowned for its food, but winter sarson da saag, makki ki roti, ghee-laden kulchas, and street foods like Amritsari chole-kulcha, tandoori fish, Furthermore, even if you overeat in the cold weather, Wagah Border Parade - Watching the parade at Wagah sky can be quite daunting in the summer. Winter makes cool breeze keeps the crowds comfortable, visibility is enjoyable when you're not battling the heat. Perfect time comfortably shop for handicrafts, shoes, shawls, and exploring the markets much easier, as you can items without having to rush to avoid the heat. Heritage markets, and temples, are even more attractive during to Pack - Amritsar offers a wide variety of the Golden Temple to heritage stays and luxury hotels. sweaters, and jackets. Also, it's important to pack dupatta or scarf to cover your head for the Golden Temple. Savor Amritsari Cuisine - While in Amritsar, be sure to sample Amritsari Kulcha (with Chole), classic Punjabi dishes like Makki di Roti and Sarson da Saag, hot Gajar ka Halwa, thick Lassi, and traditional sweets like Pinni and Panjiri.

Do you also keep track of the country's situation through 'Reels' and 'Memes'? How this habit can mislead you?

These days, social media has become increasingly popular. People spend most of their time scrolling through these platforms. Many young people also learn about national and international news from these platforms. But this isn't good people learn about national and international from social media can be harmful, as false and these platforms. Today's youth is preferring channels or newspapers for news. Keeping up Stories, memes, and posts is now more some disadvantages. Yes, if you get most of your should be cautious. Doing so could lead to some disadvantages of consuming news through lack of context - Social media, by its very content. Summarizing even major events in a ignores the analysis or historical context of the understanding of the event, but lack an and long-term impact. This incomplete danger of fake news and misinformation - not bound by journalistic standards or fact- easily goes viral behind attractive graphics and content tailored to consumer preferences, content is repeatedly displayed. Young people which can narrow their thinking and make on mental health - Frequent exposure to of anxiety, depression, and confusion among

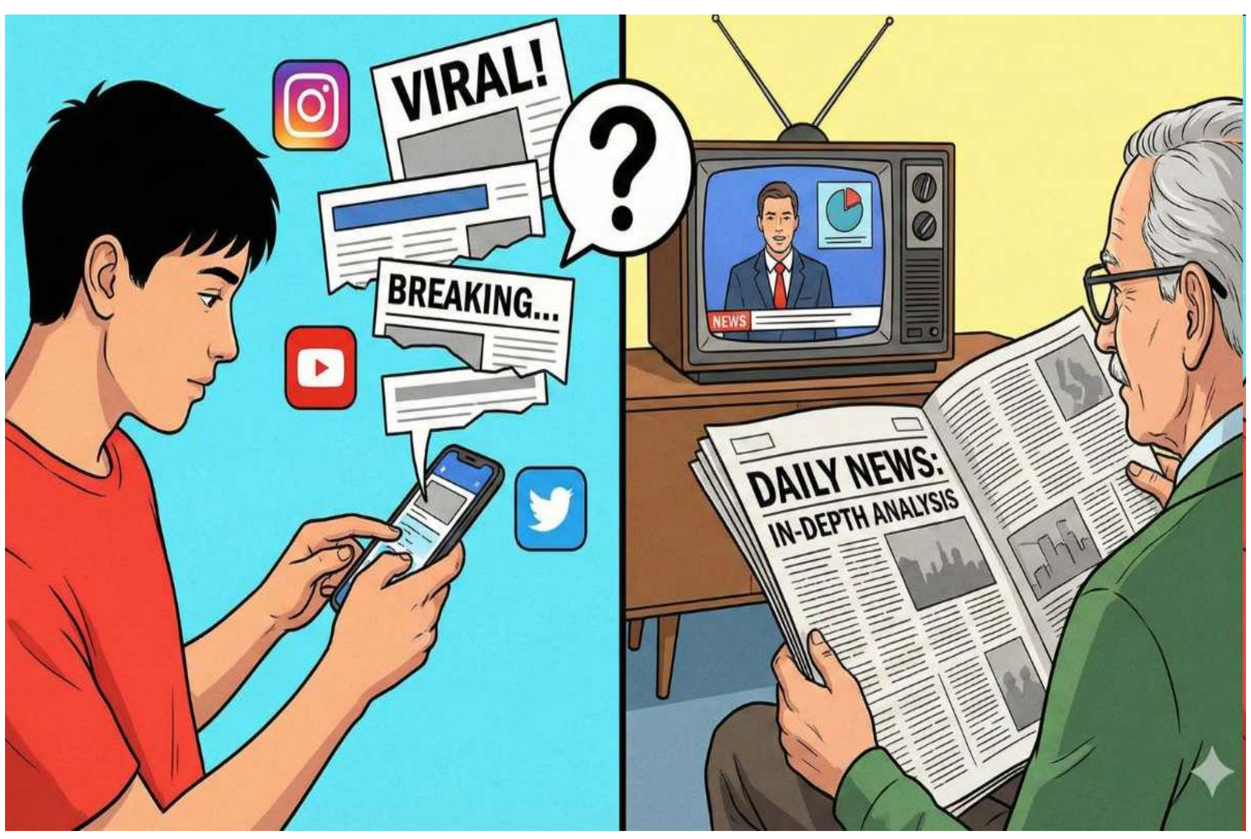

for you. Let's find out why. Nowadays, many news through social media. Getting news misleading news also spreads rapidly on social media platforms over traditional TV with the world's news through Reels, convenient. However, this can also have news from a social media platform, you consequences. Let's explore the social media. Superficial understanding and nature, relies on visual, short, and instant 60-second reel or a single image often issue. Young readers gain a superficial understanding of its background, causes, information can foster misconceptions. The Content creators on social media are often checks. False or misleading information sensational headlines. Algorithms display creating an "echo chamber," where similar are exposed to only one type of viewpoint, them vulnerable to misinformation. Impact negative or biased news can lead to feelings young people. Information imbalance - News from Instagram often focuses on entertainment, celebrities, and issues of special interest. This can disrupt young people's information balance. This means they see the same type of news, leaving behind many issues of national and international importance. While it's not wrong to consume news from social media, it shouldn't be your sole source. It's important to verify everything you see on social media with a reliable source before trusting it. Reading newspapers is essential to develop a deeper understanding of issues, not just superficial information.

Veins constrict in the cold, increasing the risk of heart attack. How to take care of your heart during this season?

Did you know that the risk of heart attack increases significantly during winter? Yes, winter can be especially challenging for heart patients. Therefore, there is a greater need to be vigilant about heart health during this season. Let's learn more about this. The risk of heart attack increases during winter. Due to many reasons, the pressure on the heart increases during winter. It is important to take special care of the heart during this season can prove dangerous for heart patients (Heart Attack winter, especially in the morning. Why does this happen season? Let's learn more. What are the reasons for the increase to constrict, which increases blood pressure and puts extra the body warm in the cold, which increases the risk of high to both breathing and the heart. Lack of physical activity - health. Overeating - Eating high-fat and sugary foods in this in winter? Keep the body warm - Protect yourself from the Regular exercise - Exercise indoors for at least 30 minutes warm, and nutritious food. Green vegetables, seasonal fruits, salt. Take sunlight- Take sunlight for at least 15-20 minutes in

season. Winter brings fog and cold winds, but from a health perspective, this in Winter). Statistics show that heart attack cases increase by 20-30% during (Causes of Heart Attack in Winter) and how to take care of the heart during this in heart attacks during winter? Constriction of blood vessels - Cold causes arteries strain on the heart. High blood pressure - The heart has to work harder to keep blood pressure. Air pollution - Pollution levels increase in winter, which is harmful Due to the cold, people reduce exercise and physical activity, which affects heart season increases the risk of increased cholesterol. How to take care of your heart cold. Wear warm clothing, especially covering your head, ears, and hands. daily. Yoga, pranayama, and stretching will be beneficial. Healthy diet - Eat light, ginger, garlic, and turmeric are beneficial. Avoid heavy, fried foods and excess the afternoon, so that the body can get adequate amount of Vitamin D. Do not skip medicines- Heart patients should take their medicines regularly and stay in touch with the doctor. Stress management- Take adequate sleep, do meditation and take out time for favorite activities. Keep an eye on the symptoms- If you notice symptoms like chest pain, difficulty in breathing, sudden dizziness or fatigue, contact the doctor immediately. Stay away from smoking and alcohol- These increase the risk of heart disease, hence avoid them. Drink enough water- Thirst is less in winter, but keep drinking water to keep the body hydrated.

The dream of winning the trophy was shattered, as this contestant was evicted during Finale Week.

Finale Week is the final week of the Bigg Boss show. In the 19th season, six contestants entered this week, and now another has been eliminated. With this, the top five contestants have been revealed. Another contestant was five contestants have been revealed. be held on December 7th. The most arrived. The show has finally found After Ashnoor Kaur and Shahbaz Finale Week. Now, one of them has its top five contestants. In last week's Farhana Bhatt, Ashnoor Kaur, and finalist. Gaurav Khanna won the task also becoming the captain for the final before the finale. In the same task on Tanya for physically hurting her, and low votes. Thus, six contestants made evicted from the main gate - report, one of the six contestants Chahar, who entered the show as the Badesha. Malti's dream of reaching been shattered. MALTI Top 5 their place in the finale of Bigg Boss already made his place in the finale from him, Farhana Bhatt, Pranit are the top 5 finalists. * Gaurav

evicted during Finale Week. The top The grand finale of Bigg Boss 19 will awaited time for Bigg Boss 19 has its top five contestants for Finale Week. Badesha, six contestants entered been eliminated, leaving the show with Ticket to Finale task, Gaurav Khanna, Pranit Morey vied to become the first and became the show's first finalist, week. Eight contestants remained Weekend Ka Vaar, Ashnoor evicted Shahbaz Badesha was evicted due to it to the finale. This contestant was According to a Bigg Boss update eliminated in the finale week was Malti second wild card entry after Shahbaz the top five and winning the trophy has Finalists- Now 5 contestants have made 19, in which Gaurav Khanna, who has by winning the Ticket to Finale. Apart More, Tanya Mittal and Amaal Malik Khanna * Farhana Bhatt * Amaal Malik * Tanya Mittal * Pranit More Grand finale will be held on this day- A media conference was held in the finale week in which journalists from many media organizations came and made the housemates reveal their truth. Now the audience and contestants are waiting for December 7, the day when one of these top 5 finalists will lift the Bigg Boss 19 trophy. Bigg Boss 19 streams on Jio Hotstar from 9 pm and on television at 10.30 pm.

A budget of 400 crores... two big superstars... a producer in dire straits, this film was branded a mega-flop!

Today, we're going to tell you about a much-talked-about Hindi film, with a budget of 400 crores, which proved to be a massive box office flop. Which Bollywood film is the biggest flop? A budget of 400 crores earned a strong box office performance is a that low-budget films are movies with large budgets on this, today we're going to tell you 400 crores. The film's failure left the considerable controversy. Let's find cinema's biggest flop—the film being the banner of a prominent major Bollywood superstars in key screen release during the festive finalized, the film failed to make a disastrous financial disaster. expected to create history. However, "Bade Miyan Chote Miyan" Bollywood Hungama report, the (approximately $1.5 billion), had a (approximately $1.02 billion), while (approximately $3 billion). approximately ?300 crore produced under producer Vashu makers faced financial difficulties.

pittance. The film's makers were robbed. A key factor in a film's success. It's generally seen commercially successful. On the other hand, sometimes prove to be a massive flop. Based about a massive Hindi film, with a budget of makers facing financial hardship and sparked out which movie is being discussed here. Hindi discussed in this article—was produced under filmmaker. Furthermore, the film featured two roles. Furthermore, it was slated for a big-season. Despite everything being set and single penny at the box office, suffering a Released in theaters during Eid 2024, it was the Akshay Kumar and Tiger Shroff-starrer flopped at the box office. According to a film, made at a cost of ?400 crore lifetime net box office collection of ?59 crore its worldwide earnings were ?102 crore Consequently, the makers suffered a loss of (approximately $3 billion). The film was Bhagnani's Pooja Entertainment banner. The Vasu Bhagnani was the most affected by the failure of Bade Miyan Chote Miyan. Numerous media reports stated that Vasu had spent lavishly on the film, resulting in financial difficulties. It was also reported that Akshay Kumar had not even received his promised fee for the film.

Sunny and Bobby left no share in the will! Dharmendra bequeathed ancestral property to this family member

Actor Dharmendra passed away on November 24th, and now significant news is emerging regarding his will. None of Dharmendra's children are named in this will. Let's find out the full story. Dharmendra passed away on will. Ancestral property is bequeathed to Dharmendra marks the end of an era in emerging regarding the will of for over six decades, which mentions his Dharmendra's will does not include the grandchildren, including Sunny Deol and He-Man of Hindi cinema bequeathed his Dharmendra bequeath his ancestral on November 24th. He passed away at the complications. Since then, everyone has Paji bequeathed his ancestral property. Dharmendra had prepared and signed a ancestral property. The name mentioned in ancestral village of Dango in Ludhiana Dharmendra spent his early life. in this village, where his ancestors once property spans 2.5 acres and is valued at Notably, Dharmendra bequeathed this

November 24th. News about the actor's this family member. The passing of actor Hindi cinema. Significant news is Dharmendra, who reigned in Bollywood ancestral property. It is reported that names of any of his children or Bobby Deol. Let's find out to whom the 2.5-acre ancestral property. Whom did property to? Dharmendra passed away age of 89 due to age-related been curious to know to whom Dharam According to an NDTV report, will eight years ago regarding his this article relates to Dharmendra's district, Punjab. This village is where Dharmendra also has an ancestral home lived. According to reports, the actor's ?5 crore (approximately $50 million). ancestral property to his nephews, who take care of his home and manage the family. Sunny Deol, Vijeta, Ajeeta, and Bobby Deol have no connection to this property. Dharmendra's ashes immersed - Nearly eight days after his death, Dharmendra's ashes were immersed in Haridwar today. It should be noted that a few days ago, a condolence meeting was organized by the family in Mumbai for the actor's soul to rest in peace, which was attended by numerous Bollywood celebrities.